आयोजन. धर्म-धम्म सम्मेलन के दूसरे दिन विद्वानों ने की चर्चा

हम प्रकृति की देखभाल करें, प्रकृति हमारी देखभाल करेगी

संवाददाता, राजगीर

नालंदा विश्वविद्यालय में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन के दूसरे दिन विचारकों और विद्यार्थियों ने गहन विचार-विमर्श किया. देश-विदेश से इस आयोजन में हिस्सा लेने आए प्रतिनिधियों ने 'कोरोना काल के बाद की दुनिया में धर्म-धम्म परंपरा की भूमिका' पर चर्चा की. सुषमा स्वराज ऑडिटोरिम में संपन्न सुबह के सत्र में हिस्सा लेते हुए जेएनयू में स्कूल ऑफ संस्कृत स्टडीज के प्रो रामनाथ झा ने कहा कि धर्म एक प्रकार का ब्रह्मांडीय नियम है.

धर्म अंतिम सत्य की दैवीय अभिव्यक्ति है. गीता में सभी वैदिक ग्रंथों के सार निहित हैं. कोरोना संकट के संदर्भ में उन्होंने कहा कि गीता में कहा गया है कि अगर हम प्रकृति की देखभाल करते हैं, तो प्रकृति हमारी देखभाल करती है. दक्षिण कोरिया से आए कोरियन सोसायटी फॉर इंडियन स्टडीज के अध्यक्ष जियो

सम्मेलन में शामिल प्रतिनिधि .

ल्योंग ली ने कहा कि भारत की प्रसिद्धि एक आध्यात्मिक देश के रूप में रही है. कोरोना वायरस की भयावहता की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे विचार भी एक तरह के वायरस हैं. अगर हमारे विचार अच्छे होंगे, तो बेहतर परिणाम देंगे और अगर विचार नकारात्मक हुए, तो उसके परिणाम भी गलत होंगे. पुणे के फ्लेम विश्वविद्यालय में दर्शन शास्त्र और धार्मिक अध्ययन के प्रो पंकज जैन ने कहा कि कोरोना महामारी के समय और उसके बाद भी हमें धर्म और अधर्म पर गौर करने की जरूरत है. कोरोना के वैश्विक संकट के दौर में जब दुनिया के बड़े और संपन्न देश अपने संसाधनों को दूसरे देशों के साथ साझा करने के लिए तैयार नहीं थे तब भारत ने धर्म का अनुपालन करते हुए अपने संसाधनों को दूसरे देशों तक भी पहुंचाया. दिल्ली विश्वविद्यालय में मैनेजमेंट स्टडी की प्रो सुनीता सिंह सेनगुप्ता ने कहा कि व्यापार समाज के कल्याण के लिए होना चाहिए न कि सिर्फ आर्थिक लाभ के लिए. टीचिंग ब्लॉक में संपन्न हुए सायं सत्र में भारत समेत दुनिया के विभिन्न देशों से आए प्रतिनिधियों ने अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया. सुबह के दो सत्रों की अध्यक्षता एशियन-अफ्रिकन फिलॉसफी कांग्रेस के अध्यक्ष एस. आर. भट और राजस्थान विश्वविद्यालय के दर्शन शास्त्र की प्रो कुसुम जैन ने की. चर्चा के दौरान विभिन्न विचारकों ने प्राचीन नालंदा विश्विविद्यालय से प्रेरित होकर नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना को महत्वपूर्ण बताया. विद्वानों ने विश्वविद्यालय में तेज गति से हो रही निर्माण और शैक्षणिक गतिविधियों के लिए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुनैना सिंह की सराहना की.

गीता के उपदेश में छिपा है विश्व कल्याण का समाधान : प्रो. झा

धर्म–धम्म सम्मेलन के दूसरे दिन विद्वानों ने उपराष्ट्रपति की कही बात पर की चर्चा, देश–विदेश के विद्वानों ने कहा – नालंदा विवि से प्रेरित होकर नए विवि का निर्माण महत्वपूर्ण

जागरण संवाददाता, बिहारशरीफ : राजगीर अवस्थित नालंदा विश्वविद्यालय के सुषमा स्वराज आडिटोरियम में छठें अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन के दूसरे दिन सोमवार को ''कोविड उपरांत विश्व व्यवस्था के निर्माण में धर्म-धम्म परंपराएं'' विषय पर विचारकों और विद्यार्थियों ने गहन विचार-विमर्श किया। पूरा विमर्श बीते रविवार को उप राष्ट्रपति वेंकैया नायडू द्वारा उद्घाटन सत्र में कही गई बात प्रकृति और संस्कृति के सानिध्य में रहकर ही खुशहाल भविष्य का निर्माण हो सकता है, पर केंद्रित रहा।

सुबह के सत्र में हिस्सा लेते हुए जेएनयू में 'स्कूल ऑफ संस्कृत स्टडीज' के प्रोफेसर रामनाथ झा ने कहा कि धर्म एक प्रकार का ब्रह्मांडीय नियम है। धर्म अंतिम सत्य की दैवीय अभिव्यक्ति है। गीता में सभी वैदिक ग्रंथों के सार निहित हैं। कोरोना संकट के संदर्भ में उन्होंने कहा कि गीता में कहा गया है कि अगर हम प्रकृति की देखभाल करते हैं, तो प्रकृति हमारी देखभाल करती है। आशय यह कि भागवत गीता के उपदेश में ही कोरोना के बाद विश्व कल्याण का समाधान छिपा है। बस हमें उसका अनुकरण करने की जरूरत है।

हमारे विचार भी एक तरह के वायरसः जियो ल्योंग लीः दक्षिण कोरिया से आए 'कोरियन सोसायटी फॉर इंडियन स्टडीज' के अध्यक्ष जियो ल्योंग ली ने कहा कि भारत की प्रसिद्धि एक आध्यात्मिक देश के रूप में रही है। कोरोना वायरस की भयावहता की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे विचार भी एक तरह के वायरस हैं। अगर हमारे विचार अच्छे होंगे तो बेहतर परिणाम देंगे और अगर विचार नकारात्मक हुए तो उसके परिणाम भी गलत होंगे।

शाम के सत्र में पेश किए गए शोध पत्र : टीचिंग ब्लॉक में शाम के सत्र में भारत समेत दुनिया के विभिन्न देशों से आए प्रतिभागियों ने अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया। सुबह के दो सत्रों की अध्यक्षता एशियन-अफ्रिकन फिलॉसफी कांग्रेस के अध्यक्ष एसआर भट्ट और राजस्थान विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र की प्रोफेसर कुसुम जैन ने की। चर्चा के दौरान विभिन्न विचारकों ने प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय से प्रेरित होकर नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना को महत्वपूर्ण बताया। विद्वानों ने विश्वविद्यालय में तेज गति से हो रही निर्माण और शैक्षणिक गतिविधियों के लिए कुलपति प्रोफेसर सुनैना सिंह की सराहना की।

कोरोना महामारी के दौरान भारत ने किया धर्म का पालन : पंकज जैन

पुणे के 'फ्लेम' विश्वविद्यालय में दर्शन शास्त्र और धार्मिक अध्ययन के प्रोफेसर पंकज जैन ने कहा कि कोरोना महामारी के समय और उसके बाद भी हमें 'धर्म' और 'अधर्म' पर गौर करने की जरूरत है। कोरोना के वैश्विक संकट के दौर में जब दुनिया के बड़े और संपन्न देश अपने संसाधनों को दूसरे देशों के साथ साझा करने के लिए तैयार नहीं थे, भारत ने 'धर्म' का अनुपालन करते हुए अपने संसाधनों को दूसरे देशों तक भी पहुंचाया।

व्यापार समाज कल्याण के लिए हो : सुनीता

दिल्ली विश्वविद्यालय में मैनेजमेंट स्टडी की प्रोफेसर सुनीता सिंह सेनगुप्ता ने अपने व्याख्यान में कहा कि व्यापार समाज के कल्याण के लिए होना चाहिए, न कि सिर्फ आर्थिक लाभ के लिए।

राजगीर- धर्म धम्म सम्मेलन के दूसरे दिन के सत्र में व्याख्यान की प्रस्तुति के बाद मंच पर व्याख्यानदाता • जागरण

हिन्दुस्तान 02
पटना • मंगलवार • 09 नवंबर 2021

धर्म-धम्म सम्मेलन : हम प्रकृति की देखभाल करेंगे तभी प्रकृति हमें भी देखेगी

धर्म एक प्रकार का ब्रह्मांडीय नियम : प्रो. रामनाथ झा

राजगीर | निज संवाददाता

धर्म-धम्म सम्मेलन के दूसरे दिन भी देश-विदेश के डेढ़ दर्जन से अधिक विद्वानों ने अपने शोध पढ़े। विचारकों और विद्यार्थियों के बीच कई गहन तथ्यों पर विचार-विमर्श किया गया। प्रतिभागियों ने 'कोरोना काल के बाद की दुनिया में धर्म-धम्म परंपरा की भूमिका' अपने-अपने शोधपरक आलेख रखे। जेएनयू में 'स्कूल ऑफ संस्कृत स्टडीज' के प्रोफेसर रामनाथ झा ने कहा कि धर्म एक प्रकार का ब्रह्मांडीय नियम है। धर्म अंतिम सत्य की दैवीय अभिव्यक्ति है। गीता में सभी वैदिक ग्रंथों के सार निहित हैं। कोरोना संकट के संदर्भ में कहा कि गीता में कहा गया है कि अगर हम प्रकृति की देखभाल करेंगे तभी वह हमारा भी ख्याल रखेगी।

दक्षिण कोरिया के 'कोरियन सोसायटी फॉर इंडियन स्टडीज' के अध्यक्ष जियो ल्योंग ली ने कहा कि भारत की प्रसिद्धि एक आध्यात्मिक देश के रूप में रही है। कोरोना वायरस की भयावहता की चर्चा करते हुए

दूसरा दिन

- गीता में निहित हैं सभी वैदिक ग्रंथों के सार
- भारत की प्रसिद्धि आध्यात्मिक देश के रूप में : जियो ल्योंग ली

उन्होंने कहा कि हमारे विचार भी एक तरह के वायरस हैं। अगर हमारे विचार अच्छे होंगे तो बेहतर परिणाम देंगे और अगर विचार नकारात्मक हुए तो उसके परिणाम भी गलत होंगे।

धर्म-अधर्म पर गौर करने की जरूरतः पंकज जैनः पुणे के फ्लेम विश्वविद्यालय में दर्शन शास्त्र और धार्मिक अध्ययन के प्रोफेसर पंकज जैन ने कहा कि कोरोना महामारी के समय और उसके बाद भी हमें 'धर्म' और 'अधर्म' पर गौर करने की जरूरत है। कोरोना के वैश्विक संकट के दौर में जब दुनिया के बड़े और संपन्न देश अपने संसाधनों को दूसरे देशों के साथ साझा करने के लिए तैयार नहीं थे, भारत ने 'धर्म' का अनुपालन करते हुए अपने संसाधनों को दूसरे देशों तक भी पहुंचाया। दिल्ली विश्वविद्यालय में

राजगीर में आयोजित धर्म-धम्म सम्मेलन के दूसरे दिन के सत्र में शामिल देसी-विदेशी विद्वान। • हिन्दुस्तान

मैनेजमेंट स्टडी की प्रोफेसर सुनीता सिंह सेनगुप्ता ने कहा कि व्यापार समाज के कल्याण के लिए होना चाहिए, न कि सिर्फ आर्थिक लाभ के लिए।

शोधपत्र प्रस्तुत कियेः टीचिंग ब्लॉक में संपन्न हुए सायं सत्र में भारत समेत दुनिया के विभिन्न देशों से आए प्रतिभागियों ने अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया। सुबह के दो सत्रों की अध्यक्षता एशियन-अफ्रिकन फिलॉसफी कांग्रेस के अध्यक्ष एसआर भट्ट और राजस्थान विश्वविद्यालय के दर्शन शास्त्र की प्रोफेसर कुसुम जैन ने की। चर्चा के दौरान विभिन्न विचारकों ने प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय से प्रेरित होकर नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना को महत्वपूर्ण बताया।

विद्वानों ने रखे विचार • विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय धर्म-धम्म कॉन्फ्रेंस सम्पन्न

मानव में संवेदना नहीं हो तो वो जनहित के कार्यों से विमुख हो जाता है : भट्ट

सिटी रिपोर्टर|राजगीर

कॉन्फ्रेंस के अंतिम दिन देश-विदेश के कई विद्वानों ने रखी अपनी बात

नालंदा विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय ईंटरनेशनल धर्म-धम्म कांफ्रेस के अंतिम दिन देश-विदेश के कई विद्वानों ने अपने विचार व्यक्त किये। अंतिम दिन केंद्रीय विदेश राज्यमंत्री मीनाक्षी लेखी इंटरनेशनल धर्म-धम्म कांफ्रेंस में शामिल हुईं। इस अवसर एशियन अफ्रीकन फिलासफी कांग्रेस अध्यक्ष एवं नालंदा विश्वविद्यालय एकेडमिक काउंसिल मेंबर एसआर भट्ट ने कहा कि हमारी सभ्यता संस्कृति चाहे जो भी हो पर मानवता व संवेदना न हो तो वह धर्म को सिर्फ अंगीकार कर तो सकता है लेकिन जनहित के कार्यों से विमुख हो जाता है। उन्होंने कहा कि बुद्धत्व यानी ज्ञान का तत्व, जहां ज्ञान की बात होती है। वहां एक अनुशासन तथा व्यवहार मूल मे होता है। जबकि उक्त तथ्यों से वर्तमान युग हाशिये पर जा रहा है। इस कांफ्रेंस में धर्म-धम्म का विषय कहीं न कहीं इस बात पर ध्यान आकृष्ट कराती है। उन्होंने कहा कि आज दुनियां के कई देश आर्थिक संकट और विभिन्न समस्याओं से जूझ रहा है। आर्थिक विकास, शांति और भाईचारे पर विशेष रूप से ध्यान देकर लोगों जागरुक करना होगा। तभी हम किसी समस्या को खत्म कर सकते हैं। आज दुनिया के कई एसे देश हैं जो विकास को छोडकर लड़ाई झगडे और युद्ध को देखते हैं। जिसके कारण आज वैसे देश आर्थिक रुप से कमजोर हो रहा है। वहां के लोग विकास नहीं कर पा रहे हैं। बहुत सारी समस्याओं से जूझ रहे हैं। आधुनिकता की अंधी दौड़ में मानव संवेदना में आ रही कमी चिंता का विषय है। इस पर सभी को ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि तीन दिवसीय कांफ्रेंस में जो भी विद्वानों द्वारा व्याख्यान दिया गया उस पर एक पुस्तक प्रकाशित किया जाएगा। बालगणपति देवरकोंडा ने कहा कि संकट के हर एक पहलू पर सावधानी से ध्यान दिया जाना चाहिए।

विश्वविद्यालय में आयोजित धर्म-धम्म सम्मेलन के अंतिम दिन मंचासीन अतिथि।

धर्म मनुष्य में जीवन का महत्व बताता है

कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति श्रीनिवास वरखेड़ी ने बताया कि धर्मा मनुष्य में जीवन के महत्व को स्पष्ट करता है, पवित्र भावनाओं को पैदा करता है एवं मानसिक तनाव व चिन्ताओं से दूर रखकर गलत, समाज विरोधी व धर्म विरोधी कार्यों के प्रति घृणा को पैदा करता है। इस तरह धर्म व्यक्ति के व्यक्तित्व का विकास करता है एवं उसे सुख समृद्धि के लिए धार्मिक नियमों के अनुरूप आचरण के लिए प्रेरित करता है। उन्होने कहा कि आत्मा को देखना, आत्मा से आत्मा को जानना और आत्मा से आत्मा में स्थित होना। जो आत्मा का स्वभाव नहीं है वह धर्म नहीं है। धार्मिकता अंतःकरण की पवित्रता है। वह धर्म की रुचि होने मात्र से प्राप्त नहीं होती, उसकी साधना से प्राप्त होती है। साधना करने वाले धार्मिक बहुत कम हैं। अधिकतर धार्मिक सिद्धि प्राप्त करने वाले लोग हैं। आज का धर्म भोग से इतना आच्छन्न है कि त्याग और भोग के मध्य कोई रेखा नहीं जान पड़ती। धर्म का क्रांतिकारी रूप तब होता है जब वह जनमानस को भोग-त्याग की ओर अग्रसर करे। उन्होने कहा कि जहां त्याग और भोग की रेखाएं आसपास जाती हैं, धर्म अर्थ से संयुक्त होता है, वहां धर्म अधर्म से ज्यादा भयंकर बन जाता है।

अशोक ने किए नैतिक उन्नति के लिए प्रयत्न

कोलंबिया के चार्ल्स ग्रीनस्टीन ने कहा कि संसार के इतिहास में अशोक इसलिए विख्यात है कि उसने निरंतर मानव की नैतिक उन्नति के लिए प्रयास किया। जिन सिद्धांतों के पालन से यह नैतिक उत्थान सम्भव था, अशोक के लेखों में उन्हें धम्म कहा गया है। उन्होने कहा कि अशोक ने धम्म की व्याख्या इस प्रकार की है, धम्म है साधुता, बहुत से कल्याणकारी अच्छे कार्य करना। उन्होने कहा कि मैं भारत की इतिहास और यहां की संस्कृति को जानने के लिए संस्कृत की शिक्षा ग्रहण कर रहा हूं। कोलंबिया यूनिवर्सिटी में भी युवाओं को संस्कृत पढ़ने की काफी इच्छा है और लोग इस पर अध्यन भी कर रहे। इस अवसर पर भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष रमेश चंद्र सिंहा, कुलपति प्रोफेसर सुनैना सिंह, जेएनयू के प्रोफेसर प्रियदर्शी मुखोपाध्याय, राजस्थान यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर कुसुम जैन, जेएनयू के स्कूल ऑफ संस्कृत स्टडीज के प्रोफेसर प्रोफेसर रामनाथ झा, कोरिया सोसायटी फॉर इंडियन स्टडीज के अध्यक्ष जियो ल्योंग ली, दिल्ली विश्वविद्यालय के मैनेजमेंट स्टडी की प्रोफेसर सुनीता सिंह सेणगुप्ता सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

हिन्दुस्तान | 08
पटना • बुधवार • 10 नवंबर 2021

'रिलिजन' मानव केंद्रित तो 'धर्म' समस्त सृष्टि के हित की चिंता का करता है प्रदर्शन : केटीएस सराव

ज्ञान के प्रति असीम जिज्ञासा का भाव ही है 'नालंदा'

राजगीर | निज संवाददाता

नालंदा विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन के तीसरे और अंतिम दिन मंगलवार को 'कोरोना काल के बाद विश्व व्यवस्था में धर्म-धम्म परंपरा की भूमिका' विषय पर चर्चा हुई। देश-विदेश के कई विद्वानों और चिंतकों ने चर्चा में हिस्सा लिया। सुबह के सत्र में हिस्सा लेते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय के बौद्ध अध्ययन विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर केटीएस सराव ने 'धर्म' तथा 'रिलिजन' के बीच के अंतर को स्पष्ट करते हुए कहा कि रिलिजन शब्द की अवधारणा मानव केंद्रित है, जबकि धर्म समस्त सृष्टि के हित की चिंता करता है।

जेएनयू में संस्कृत और पाली के प्रोफेसर सी. उपेन्द्र राव ने 'नालंदा' का अर्थ स्पष्ट करते हुए कहा कि ज्ञान के प्रति असीम प्यास और जिज्ञासा का भाव ही 'नालंदा' है। उन्होंने कहा कि नालंदा भगवान बुद्ध के प्रखर शिष्य सारिपुत्र का जन्मस्थान है। गुजरात के विचारक भाग्येश झा ने कहा कि कोरोना संकट ने हमें अपने 'माइक्रोस्कोप' को ठीक करने का संदेश दिया है। धर्म सिर्फ लाभ की नहीं, बल्कि शुभ-लाभ की बात करता है। पहले सत्र की अध्यक्षता कर रहे इंडियन काउंसिल ऑफ फिलॉसोफिकल रिसर्च के अध्यक्ष रमेशचंद्र सिन्हा ने कहा कि भारत के प्राचीन जीवन मूल्य नई वैश्विक व्यवस्था के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा कहते हैं।

सम्मेलन

- धर्म सिर्फ लाभ नही, शुभ-लाभ की करता है बात
- देश-विदेश से पधारे चिंतकों ने की चर्चा

कोरोना ने हमें अपने जीवन में ठहरकर **सोचने का संदेश दिया : बालागणपति देवराकोंडा :** सुबह के दूसरे सत्र की अध्यक्षता करते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय में दर्शन शास्त्र के प्रोफेसर और प्रमुख रहे बालागणपति देवराकोंडा ने कहा कि कोरोना संकट ने हमारी गतिविधियों पर रोक लगा दी।

दरअसल, कोरोना ने हमें अपने जीवन में ठहरकर सोचने और पुनर्विचार करने का संदेश दिया है, ताकि हम फिर से ऊर्जान्वित महसूस कर सकें। कार्यक्रम में जेएनयू के प्रोफेसर प्रियदर्शी मुखर्जी और सांथीगिरि रिसर्च फाउंडेशन के निदेशक के. गोपीनाथ पिल्लई ने भी अपने विचार रखे।

धर्म-धम्म सम्मेलन में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते कलाकार। • हिन्दुस्तान

धर्म-धम्म सम्मेलन के तीसरे दिन मंचासीन विद्वान। • हिन्दुस्तान

लोकगीतों की झनक से गूंजीं राजगीर की पंच वादियां

राजगीर | निज संवाददाता

दिशा-दिशा में लोक रंग का तार-तार है। महकी-महकी सोंधी माटी का बिहार है.... पद्मश्री डॉ. शांति जैन रचित बिहार गौरव गान की इन पंक्तियों पर जब कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं, तो नवनिर्मित ओपन एयर थिएटर में मौजूद लोग झूम उठे। नालंदा विश्वविद्यालय में धर्म-धम्म सम्मेलन के शाम में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। इस दौरान लोकगीत की महक, और लोकनृत्य की झनक ने दर्शकों का मन मोह लिया। महापर्व छठ की झलकी के साथ बिहार की सांस्कृतिक झांकी प्रस्तुत की गई।

'सुरांगन' के कलाकारों ने बिहार के मशहूर लोकगीत और लोकनृत्य शैलियों पर आधारित कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बिहार बाल भवन, किलकारी के युवा कलाकारों ने मिथिला का प्रसिद्ध लोकनृत्य सामा चकेवा प्रस्तुत किया। सामा खेले चलली, भौजी संग सहेली... गीत के जरिए कलाकारों ने मिथिला की संस्कृति को जीवंत कर दिया। लोकगायक धर्मेन्द्र कुमार ने जब नदिया किनारे गोरी ठार रे, बिंदिया ले गइल मछरिया....झूमर गाया तो श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए। आयोजन में स्वतंत्रता संग्राम में बिहार के सात शहीद और बाबू कुंवर सिंह जैसे सेनानियों के योगदान का भी प्रतीकात्मक मंचन किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत में 'सुरांगन' की प्रमुख सुदीपा घोष ने सरस्वती वंदना पर अपनी नाट्य प्रस्तुति दी। खुले आकाश के नीचे हुए इस कार्यक्रम में पूरा थियेटर संतरंगी रोशनी से जगमगा उठा। विश्वविद्यालय के ओपन एयर थियेटर में आयोजित होने वाला यह पहला कार्यक्रम रहा। कार्यक्रम के दौरान दर्शक दीर्घा में नालंदा विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुनैना सिंह के साथ ही अन्य गणमान्य अतिथि मौजूद रहे।

पटना, बुधवार
10.11.2021
प्रभात खबर 06

धर्म-धम्म सम्मेलन. शाश्वत ज्ञान और अंतर्दृष्टि का प्रतीक है नालंदा विवि

जला दिये जाने के बाद भी जीवंत रहा नालंदा विश्वविद्यालय : मीनाक्षी लेखी

संवाददाता, राजगीर

प्राचीन नालंदा अब भी ज्ञान और अंतर्दृष्टि की ओर प्रेरित करता है. त्याग, तपस्या और ज्ञान की सनातन परंपरा का नाम ही नालंदा है. जला दिये जाने के बाद भी नालंदा विश्वविद्यालय जीवंत रहा, क्योंकि इसके ज्ञान-बीज हमारे संस्कारों में मौजूद रहे. कोरोना काल में भारत ने धर्म का अनुपालन करते हुए दुनिया के कई देशों को दवाएं, वैक्सीन और दूसरी चीजें उपलब्ध करायीं. सनातन हिन्दू धर्म हमें संकट में दूसरों की

समारोह को संबोधित करतीं विदेश राज्य मंत्री.

सहायता करना सिखाता है. धर्म-धम्म परंपरा का पालन करके ही विश्व की नयी व्यवस्था की रचना संभव है.

नालंदा विवि में आयोजित तीन दिवसीय छठे अंतरराष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने ये बातें कहीं. नालंदा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि सभ्यता, संस्कृति या धर्म पर विचार करने के लिए नालंदा से बेहतर जगह कोई नहीं हो सकता. बुद्ध और महावीर ने अहिंसा, संयम और शांति का संदेश दिया. वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सम्मेलन को संबोधित करते हुए अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कहा कि भगवान बुद्ध ने जीवन की हर सांस को महत्वपूर्ण बताया है. बुद्ध ने प्रत्येक सांस को एक जीवन कहा था। कोरोना संकट ने भी एक-एक सांस का महत्व समझाया। मुख्यमंत्री खांडू ने कहा कि हमें सम्यक आजीविका को आधार बनाकर जीवनयापन करना चाहिए. धर्म-धम्म परंपरा में ऐसे तत्व मौजूद हैं, जो विश्व व्यवस्था को नया आकार दे सकते हैं. उन्होंने कहा कि वही व्यक्ति समृद्ध है जो संतुष्ट है. नालंदा के अर्थ को रेखांकित करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुनैना सिंह ने कहा कि नालंदा ज्ञान के सनातन प्रवाह का प्रतीक है. यह विश्वविद्यालय राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय महत्व का है. उन्होंने बताया कि नालंदा विश्वविद्यालय में फिलहाल 30 देशों के विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं. हमारा लक्ष्य है कि यहां 100 से भी अधिक देशों के विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त करने के लिए आएं. विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने विश्वविद्यालय में शिक्षा के उच्च स्तर और तीव्र गति से हो रहे निर्माण कार्य के लिए कुलपति प्रो सुनैना सिंह की सराहना की. इंडिया फाउंडेशन के निदेशक मेजर जनरल ध्रुव सी. कटोच ने धन्यवाद ज्ञापन किया. सम्मेलन का समापन राष्ट्रगान से हुआ.

लोकगीतों की झनक से गूंजा विश्वविद्यालय

राजगीर. दिशा-दिशा में लोक रंग का तार-तार है. महका-महका सोंधी माटी का बिहार है.... पद्मश्री डॉ. शांति जैन रचित बिहार गौरव गान की इन पंक्तियों पर जब कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं तो नवनिर्मित ओपन एयर थियेटर में मौजूद लोग झूम उठे. नालंदा विश्वविद्यालय में आयोजित धर्म-धम्म सम्मेलन के दूसरे दिन सांस्कृतिक संध्या का. इस दौरान सुरांगन के कलाकारों ने बिहार की मशहूर लोकगीत और लोकनृत्य शैलियों पर आधारित एक से बढ़कर एक कार्यक्रम प्रस्तुत किया. बिहार बाल भवन, किलकारी के कलाकारों ने मिथिला का प्रसिद्ध लोकनृत्य सामा चकेवा प्रस्तुत किया. सामा खेले चलली, भौजी संग सहेली... गीत के जरिए कलाकारों ने मिथिला की संस्कृति को मगध की धरती पर जीवंत कर दिया, तो लोकगायक धर्मेंद्र कुमार ने जब नदिया किनारे गोरी ठार रे....झूमर गाया तो श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए.

धर्म सिर्फ लाभ नहीं, शुभ-लाभ की भी करता है बात

- धर्म-धम्म सम्मेलन के आखिरी दिन चिंतकों ने की चर्चा

संवाददाता, राजगीर

नालंदा विश्वविद्यालय में आयोजित अंतरराष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन के अंतिम दिन कोरोना काल के बाद विश्व व्यवस्था में धर्म-धम्म परंपरा की भूमिका विषय पर चर्चा में देश-विदेश के विद्वानों और चिंतकों ने हिस्सा लिया.

इस दौरान दिल्ली विश्वविद्यालय के बौद्ध अध्ययन विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो केटीएस सराव ने 'धर्म' तथा 'रिलिजन' के बीच के अंतर को स्पष्ट करते हुए कहा कि रिलिजन शब्द की अवधारणा मानव केंद्रित है, जबकि धर्म समस्त सृष्टि के हित की चिंता करता है.

जेएनयू में संस्कृत और पाली के प्रो सी उपेन्द्र राव ने 'नालंदा' का अर्थ स्पष्ट करते हुए कहा कि ज्ञान के प्रति असीम प्यास और जिज्ञासा का भाव ही 'नालंदा' है. गुजरात से आए विचारक भाग्येश झा ने कहा कि कोरोना संकट ने हमें अपने माइक्रोस्कोप को ठीक करने का संदेश दिया है. उन्होंने कहा कि धर्म सिर्फ लाभ की नहीं, बल्कि शुभ-लाभ की बात करता है. सुबह के पहले सत्र की अध्यक्षता कर रहे इंडियन काउंसिल ऑफ फिलॉसोफिकल रिसर्च के अध्यक्ष डॉ. रमेश चंद्र सिन्हा ने कहा कि भारत के

सम्मेलन में शामिल प्रतिनिधि.

प्राचीन जीवन मूल्य नई वैश्विक व्यवस्था के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा कहते हैं. दूसरे सत्र की अध्यक्षता करते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय में दर्शन शास्त्र के प्रो बालागणपति देवराकोंडा ने कहा कि कोरोना संकट ने हमारी गतिविधियों पर रोक लगा दी.

चर्चा में भाग ले रहे विद्वानों ने नालंदा विश्वविद्यालय की उच्च स्तरीय शिक्षा व्यवस्था और तीव्र गति से जारी निर्माण गतिविधियों के लिए कुलपति प्रो. सुनैना सिंह की सराहना की. कार्यक्रम में जेएनयू के प्रो प्रियदर्शी मुखर्जी और सांथीगिरि रिसर्च फाउंडेशन के निदेशक के. गोपीनाथ पिल्लई ने भी विचार व्यक्त किया.

पटना, 10 नवंबर, 2021 दैनिक जागरण

मंच पर साकार हुई लोक पर्व छठ की झांकी

नालंदा विवि में धर्म-धम्म सम्मेलन के मंच पर बिहार गौरव गान का कलाकारों ने दी प्रस्तुति

जागरण संवाददाता, बिहारशरीफ : दिशा-दिशा में लोक रंग का तार-तार है। महका-महका सोंधी माटी का बिहार है.... पद्मश्री डा. शांति जैन रचित बिहार गौरव गान की इन पंक्तियों पर जब कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं, तो सोमवार की शाम ओपन एयर थियेटर में मौजूद लोग झूम उठे। नालंदा विश्वविद्यालय में धर्म-धम्म सम्मेलन के दूसरे दिन सोमवार को सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। इस दौरान लोकगीत की महक और लोकनृत्य की झनक ने दर्शकों का मन मोह लिया। मंच पर लोकपर्व छठ की झलकी के साथ बिहार की सांस्कृतिक झांकी प्रस्तुत की गई।

'सुरांगन' के कलाकारों ने बिहार की मशहूर लोकगीत और लोकनृत्य शैलियों पर आधारित कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बिहार बाल भवन, किलकारी के युवा कलाकारों ने मिथिला का प्रसिद्ध लोकनृत्य सामा चकेवा प्रस्तुत किया। सामा खेले चलली, भौजी संग सहेली... गीत के जरिए कलाकारों ने मिथिला की संस्कृति को जीवंत कर दिया तो लोकगायक धर्मेन्द्र कुमार ने जब नदिया किनारे गोरी ठार रे, बिंदिया ले गइल मछरिया....झूमर गाया तो श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए। आयोजन में स्वतंत्रता संग्राम में बिहार के सात शहीद और बाबू कुंवर सिंह जैसे सेनानियों के योगदान का भी प्रतीकात्मक मंचन किया गया।

नालंदा विवि प्रांगण में धर्म - धम्म सम्मेलन के दौरान बिहार के गौरव गान पर लोक पर्व छठ की प्रस्तुति देते कलाकार ● जागरण

कार्यक्रम की शुरुआत में 'सुरांगन' की प्रमुख सुदीपा घोष ने सरस्वती वंदना पर अपनी नाट्य प्रस्तुति दी। खुले आकाश के नीचे हुए इस कार्यक्रम में पूरा थियेटर संतरंगी रोशनी से जगमगा उठा। विश्वविद्यालय के ओपन एयर थियेटर में आयोजित होने वाला यह पहला कार्यक्रम रहा।

ज्ञान के प्रति असीम प्यास और जिज्ञासा का भाव ही नालंदा : उपेंद्र राव

धर्म करता है समस्त सृष्टि के हित की चिंता, रिलीजन मानव केन्द्रित : प्रो सराव, नालंदा विवि में धर्म-धम्म सम्मेलन में कई विद्वानों और चिंतकों ने ने लिया भाग

जासं, बिहारशरीफ : अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन के अंतिम दिन 'कोरोना काल के बाद विश्व व्यवस्था में धर्म-धम्म परंपरा की भूमिका' विषय पर चर्चा हुई। देश-विदेश के कई विद्वानों और चिंतकों ने इसमें हिस्सा लिया। सुबह के सत्र में दिल्ली विवि के बौद्ध अध्ययन विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. केटीएस सराव ने 'धर्म' तथा 'रिलिजन' के बीच के अंतर को स्पष्ट करते हुए कहा कि रिलिजन शब्द की अवधारणा मानव केंद्रित है, जबकि धर्म समस्त सृष्टि के हित की चिंता करता है। जेएनयू में संस्कृत और पाली के प्रोफेसर सी. उपेन्द्र राव ने 'नालंदा' का अर्थ स्पष्ट करते हुए कहा कि ज्ञान के प्रति असीम प्यास और जिज्ञासा का भाव ही 'नालंदा' है। उन्होंने कहा कि नालंदा भगवान बुद्ध के प्रखर शिष्य सारिपुत्र का जन्मस्थान है।

शुभ - लाभ की बात करता है धर्म : भाग्येश झा : गुजरात से आए विचारक भाग्येश झा ने कहा कि कोरोना संकट ने हमें अपने 'माइक्रोस्कोप' को ठीक करने का संदेश दिया है। कहा कि धर्म सिर्फ लाभ की नहीं, बल्कि शुभ-लाभ की बात करता है। पहले सत्र की अध्यक्षता कर रहे इंडियन कार्उसिल आफ फिलॉसोफिकल रिसर्च के अध्यक्ष रमेश चंद्र सिन्हा ने कहा कि भारत के प्राचीन जीवन मूल्य नई वैश्विक व्यवस्था के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

कोरोना ने ठहर कर सोचने का दिया मौका : देवराकोंडा : दूसरे सत्र की अध्यक्षता करते हुए दिल्ली विवि में दर्शन शास्त्र के प्रोफेसर और प्रमुख रहे बालागणपति देवराकोंडा ने कहा कि कोरोना ने हमें अपने जीवन में ठहर कर सोचने और पुनर्विचार करने का संदेश दिया है, ताकि हम फिर से ऊर्जान्वित महसूस कर सकें। कार्यक्रम में जेएनयू के प्रोफेसर प्रियदर्शी मुखर्जी और सांथीगिरि रिसर्च फाउंडेशन के निदेशक के. गोपीनाथ पिल्लई ने भी अपने विचार रखे।

अंतर्राष्ट्रीय धर्म - धम्म सम्मेलन के समापन सत्र में उपस्थित देश - विदेश के विद्वान • जागरण

नालंदा से बेहतर जगह कहीं नहीं : मीनाक्षी

रजनीकांत • बिहारशरीफ

छठे अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन में भाग लेने नालंदा वि वि पहुंची विदेश मंत्री मीनाक्षी लेखी ने कहा कि दौर चाहे किसी का भी हो, सत्य हमेशा वही रहता है, जो सत्य है। सत्य यही कि ग्रह हमेशा रहेगा लेकिन हम नहीं होंगे। प्राचीन नालंदा विवि ने जो ज्ञान दिया, उसे अंतरराष्ट्रीय नालंदा विवि आने वाले भविष्य के लिए संवारेगा। नालंदा विवि के भग्नावशेष को देखकर मैं काफी अभिभूत हूं। नालंदा नाम ही काफी है। नालंदा ज्ञान, संस्कृति व संस्कारों का वाहक रहा है। ऐसा नहीं है कि हमारे जाने के बाद सब रुक जाएगा। कोई और आएगा और हमसे भी बेहतर करेगा। जीवन की सच्चाई मानव कल्याण से जुड़ी है। भगवान बुद्ध व भगवान महावीर ने अहिंसा का ज्ञान दिया, करुणा व प्रेम करना सिखाया। भागवत गीता का एक श्लोक है ' यदा-यदा ही धर्मस्य' जिसका मतलब है, जब-जब अधर्म हावी होगा मैं पृथ्वी पर आऊंगा और अधर्म का नाश करूंगा। लोगों को गलत रास्ते से सही रास्ते पर लेकर जाऊंगा। आज देश में लगता है कि देश को सही रास्ते पर ले जाने वाले सकारात्मक ऊर्जा के साथ मानव

अंतर्राष्ट्रीय धर्म - धम्म सम्मेलन के अंतिम सत्र को संबोधित करती विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी • जागरण

कल्याण के लिए एक शक्ति का जन्म हुआ है।

कोरोना कहां से आया उस पर बात नहीं : कोरोना ने बहुत कुछ समझाया है। यह वायरस है। कहां से आया उस पर बात नहीं करूंगी लेकिन सत्य यही है, वायरस हमेशा रहता है। जब तक शरीर में वह जिंदा है, उसका अस्तित्व है, बाहर आने पर वह धूल के समान है। आज जिस तरह भारत ने मजबूती से इस महामारी से मुकाबला किया और सरकार ने जिस तरह वैक्सिनेशन के बूते लोगों की जिंदगी बचाई, यह किसी से छिपी नहीं है। लोगों को समझना होगा जीवन व प्रकृति दोनों की अहमियत समान है। जिस दिन लोग इस बात को समझ जाएंगे, प्रकृति सुरक्षित हो जाएगी।

100 से अधिक देश के विद्यार्थियों को शिक्षा देने का लक्ष्य : प्रो. सुनैना

जागरण संवाददाता, बिहारशरीफ : अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए विवि की कुलपति प्रो. सुनैना सिंह ने नालंदा के अर्थ को रेखांकित किया। कहा कि नालंदा ज्ञान के सनातन प्रवाह का प्रतीक है। यह विश्वविद्यालय राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व का है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय निर्माण में सभी स्तर के कार्य करीब अस्सी प्रतिशत तक पूरे किए जा चुके हैं।

उन्होंने बताया कि नालंदा विश्वविद्यालय में फिलहाल 30 देशों के विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य है कि यहां 100 से भी अधिक देशों के विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त करने के लिए आएं। विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने विश्वविद्यालय में शिक्षा के उच्च स्तर और तीव्र गति से हो रहे निर्माण कार्य के लिए कुलपति प्रो. सुनैना सिंह की सराहना की। इंडिया फाउंडेशन के निदेशक मेजर जनरल ध्रुव सी. कटोच ने धन्यवाद ज्ञापन किया। सम्मेलन का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

कोरोना ने बताया, जीवन–मौत के बीच एक सांस का फासला

नालंदा वि वि में तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय धर्म - धम्म सम्मेलन के अंतिम सत्र को वीडियो कांफ्रेंस के जरिए संबोधित करते अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खाडू • जागरण

जागरण संवाददाता, बिहारशरीफ : अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन में अपनी उपस्थिति दूसरी बार दर्ज कराई।

उन्होंने बताया कि 2018 में भी इस सम्मेलन में भाग ले चुके हैं। इस बार वर्चुअल ही सही, वह दूसरी बार सभी के बीच हैं। उन्होंने सबसे पहले हिंदी में अभिवादन किया। उन्होंने कहा कि बुद्ध का मार्ग हमें संयमित होने की सीख देता है। एक बार बुद्ध ने भिक्षुओं से पूछा कि जीवन कितने समय का है। किसी ने कहा कि कुछ दिन, किसी ने कहा कुछ घंटे। इस पर बुद्ध ने कहा कि जीवन और मौत के बीच एक सांस का फासला है। इस कोरोना ने हमें वही बताया। हमलोग एक- दूसरे से इतने दूर हो गए थे कि बात करने का समय नहीं था। अपनों को दुनिया से दूर जाते देखता रह गया। अब भी समय है कि बुद्ध के मार्ग पर चलें। इंसानियत व लोगों की मदद करना ही धर्म की सार्थकता है। उन्होंने नागार्जुन की भी जीवन पद्धति पर प्रकाश डाला।

गीता के उपदेश में छिपा है विश्व कल्याण का समाधान : प्रो. झा

धर्म–धम्म सम्मेलन के दूसरे दिन विद्वानों ने उपराष्ट्रपति की कही बात पर की चर्चा, देश–विदेश के विद्वानों ने कहा – नालंदा विवि से प्रेरित होकर नए विवि का निर्माण महत्त्वपूर्ण

जागरण संवाददाता, बिहारशरीफ : राजगीर अवस्थित नालंदा विश्वविद्यालय के सुषमा स्वराज आडिटोरियम में छठे अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन के दूसरे दिन सोमवार को ''कोविड उपरांत विश्व व्यवस्था के निर्माण में धर्म-धम्म परंपराएं'' विषय पर विचारकों और विद्यार्थियों ने गहन विचार-विमर्श किया। पूरा विमर्श बीते रविवार को उप राष्ट्रपति वेंकैया नायडू द्वारा उद्घाटन सत्र में कही गई बात प्रकृति और संस्कृति के सानिध्य में रहकर ही खुशहाल भविष्य का निर्माण हो सकता है, पर केंद्रित रहा।

सुबह के सत्र में हिस्सा लेते हुए जेएनयू में 'स्कूल ऑफ संस्कृत स्टडीज' के प्रोफेसर रामनाथ झा ने कहा कि धर्म एक प्रकार का ब्रह्मांडीय नियम है। धर्म अंतिम सत्य की दैवीय अभिव्यक्ति है। गीता में सभी वैदिक ग्रंथों के सार निहित हैं। कोरोना संकट के संदर्भ में उन्होंने कहा कि गीता में कहा गया है कि अगर हम प्रकृति की देखभाल करते हैं, तो प्रकृति हमारी देखभाल करती है। आशय यह कि भागवत गीता के उपदेश में ही कोरोना के बाद विश्व कल्याण का समाधान छिपा है। बस हमें उसका अनुकरण करने की जरूरत है।

कोरोना महामारी के दौरान भारत ने किया धर्म का पालन : पंकज जैन

पुणे के 'फ्लेम' विश्वविद्यालय में दर्शन शास्त्र और धार्मिक अध्ययन के प्रोफेसर पंकज जैन ने कहा कि कोरोना महामारी के समय और उसके बाद भी हमें 'धर्म' और 'अधर्म' पर गौर करने की जरूरत है। कोरोना के वैश्विक संकट के दौर में जब दुनिया के बड़े और संपन्न देश अपने संसाधनों को दूसरे देशों के साथ साझा करने के लिए तैयार नहीं थे, भारत ने 'धर्म' का अनुपालन करते हुए अपने संसाधनों को दूसरे देशों तक भी पहुंचाया।

हमारे विचार भी एक तरह के वायरसः जियो ल्योंग लीः दक्षिण कोरिया से आए 'कोरियन सोसायटी फॉर इंडियन स्टडीज' के अध्यक्ष जियो ल्योंग ली ने कहा कि भारत की प्रसिद्धि एक आध्यात्मिक देश के रूप में रही है। कोरोना वायरस की भयावहता की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे विचार भी एक तरह के वायरस हैं। अगर हमारे विचार अच्छे होंगे तो बेहतर परिणाम देंगे और अगर विचार नकारात्मक हुए तो उसके परिणाम भी गलत होंगे।

व्यापार समाज कल्याण के लिए हो : सुनीता

दिल्ली विश्वविद्यालय में मैनेजमेंट स्टडी की प्रोफेसर सुनीता सिंह सेनगुप्ता ने अपने व्याख्यान में कहा कि व्यापार समाज के कल्याण के लिए होना चाहिए, न कि सिर्फ आर्थिक लाभ के लिए।

शाम के सत्र में पेश किए गए शोध पत्र : टीचिंग ब्लॉक में शाम के सत्र में भारत समेत दुनिया के विभिन्न देशों से आए प्रतिभागियों ने अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया। सुबह के दो सत्रों की अध्यक्षता एशियन-अफ्रिकन फिलॉसफी कांग्रेस के अध्यक्ष एसआर भट्ट और राजस्थान विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र की प्रोफेसर कुसुम जैन ने की। चर्चा के दौरान विभिन्न विचारकों ने प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय से प्रेरित होकर नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना को महत्वपूर्ण बताया। विद्वानों ने विश्वविद्यालय में तेज गति से हो रही निर्माण और शैक्षणिक गतिविधियों के लिए कुलपति प्रोफेसर सुनैना सिंह की सराहना की।

राजगीर- धर्म धम्म सम्मेलन के दूसरे दिन के सत्र में व्याख्यान की प्रस्तुति के बाद मंच पर व्याख्यानदाता • जागरण

दैनिक भास्कर
पटना | मंगलवार 09 नवंबर, 2021

नालंदा विश्वविद्यालय • धर्म और धम्म का एक ही अर्थ, हिंदुओं के लिए जो धर्म है बुद्धिस्टों के लिए वही धम्म है : रमेश चंद्र सिन्हा

धर्म धम्म सम्मेलन का दूसरा दिन; सभ्यताओं के इतिहास में उत्थान पतन से भारत भी अछूता नहीं, कॉन्फ्रेंस उसके संरक्षण में भूमिका निभाएगा

सिटी रिपोर्टर|राजगीर

नालंदा विश्वविद्यालय में चल रहे छठे इंटरनेशनल धर्म-धम्म कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन सोमवार को कई विद्वानों ने अपने विचार रखे। भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष रमेश चंद्र सिन्हा ने कहा की धर्म और धम्म का अर्थ एक ही है। हिंदू धर्म में लोग धर्म प्रयोग करते हैं और बौद्ध धर्म में धम्म का प्रयोग होता है।

हिंदू में सनातन मुख्य रूप से आता है। बौद्ध धर्म ईश्वर और वेद को नहीं मानता है।हिंदू धर्म ईश्वर और वेद दोनों को मानता है। उन्होंने कहा कि सृष्टि के भीतर पर्यावरण का संतुलन संरक्षण मानव प्रकृति पर आश्रित है। धर्म व धम्म में जिस तरह परस्पर संतुलन कायम होने की चरम स्थिति है।

उसी तरह पर्यावरण के बीच मानव के प्रकृति प्रेम से जीव जगत मे व्याप्त प्राणवायु व स्वस्थ समाज के अलावे स्वच्छ मन मस्तिष्क के साथ सर्वत्र स्वच्छ वातावरण का निर्माण संभव है। उन्होंने कहा की सभ्यताओं के इतिहास मे उत्थान पतन का क्रम जारी रहा है। जिससे भारत भी अछूता नहीं रहा है। बौद्ध धर्म कहता है, सर्वं दुक्खं, सर्वं अनित्यम्, अर्थात्, सब दर्द है, सब अनित्य है। हिंदू धर्म का केंद्रीय सिद्धांत है, वसुधैव कुटुम्बकम - पूरा विश्व एक परिवार है और जैन धर्म परसपरोग्रहो जीवनम का उपदेश देता है, अर्थात आत्माएं एक दूसरे की सेवा करती हैं।

पारंपरिक भारतीय पद्धति से शुरू हुआ है कोरोना के खिलाफ टीकाकरण

फ्लेन यूनिवर्सिटी के प्रो. जैन ने कोविड के प्रति अधार्मिक प्रतिक्रियाओं पर चर्चा की। कहा कि भारत ने बहुत कम समय में कोविड के खिलाफ दो अलग-अलग टीके विकसित किए, लेकिन यह याद रखना चाहिए कि भारत के टीकाकरण के प्रयास हाल के नहीं हैं। इतिहासकारों के अनुसार यूरोपीय टीकाकरण 18 वीं शताब्दी में पारंपरिक भारतीय पद्धति से विकसित हुआ, जिसे वेरियोलेशन के रूप में जाना जाता है। प्रसिद्ध गांधीवादी विद्वान धर्मपाल के मूल शोध के अनुसार, ब्रिटिश राज ने पारंपरिक भारतीय टीका पद्धतियों को रोक दिया था। यहां तक कि भारतीयों ने यूरोपीय टीकाकरण के लिए औपनिवेशिक दबाव का विरोध किया। ब्रिटिश राज विशेष रूप से विनाशकारी था क्योंकि भारत में कई महामारी का प्रकोप हुआ था, सबसे पहले 1855 में थर्ड प्लेग महामारी थी, जिसमें लाखों लोग मारे गए थे। औपनिवेशिक काल में लाखों लोगों की मौत के साथ भारत को प्लेग और हैजा के कई और प्रकरणों का सामना करना पड़ा।

अनदेखी के कारण खो रहे हैं धरोहर, इसका संरक्षण जरूरी

राजस्थान यूनिवर्सिटी की प्रो. कुसुम जैन ने कहा कि हम अपनी धरोहरों की अनदेखी करते हुए उसे खोते जा रहे हैं। यह कांफ्रेंस उसके संरक्षण की दिशा में एक नई अलख जगाएगा। अब समय आ गया है कि अपनी विरासत, संस्कृति, सामाजिक मूल्यों के प्रति सचेत हो जाएं और उससे अपना जुड़ाव महसूस करें। इस अवसर पर राम माधव, ललिता कुमार मंगलम, नेपाल के पूर्व मंत्री एवं नेपाल परिवार दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एकनाथ, कुलपति प्रोफ़ेसर सुनैना सिंह व अन्य लोग उपस्थित थे।

राजगीर में तीन दिवसीय छठे धर्म-धम्म सम्मेलन की हुई शुरुआत, सीएम ने कहा-नये विवि में भी विभिन्न देशों के छात्र ज्ञान करें अर्जन

विवि को वैश्विक बनाएं, करेंगे हरसंभव मदद

बोले नीतीश कुमार

राजगीर | निज संवाददाता

तीन दिवसीय छठे धर्म-धम्म सम्मेलन की शुरुआत रविवार को हुई। इसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नालंदा यूनिवर्सिटी को वैश्विक बनाने की दिशा में बेहतर पहले की जानी चाहिए। हमें पूरी उम्मीद है कि विश्वविद्यालय प्रशासन ऐसा करने में सक्षम हो पाएगा। हमसे जो भी मदद बन पड़ेगी, करते रहेंगे। इस देश के अन्य विश्वविद्यालयों की तरह सामान्य समझने की भूल नहीं करनी चाहिए। इसके उद्देश्य को पूरा करने के लिए सरकार पूरी तरह प्रयत्नशील है।

उन्होंने कहा कि कोरोना बीमारी ने पूरे विश्व में त्राहिमाम मचायी है। चीन के बुहान से इसकी शुरुआत हुई और इसका वहां क्या प्रभाव पड़ा, विश्व को मालूम ही नहीं। हालांकि, विश्व के सभी देशों में इससे काफी क्षति हुई। यह शोध का विषय है। आखिर, बुहान से यह कैसे पूरे विश्व में फैल गया। बुजुर्गों का मानना है कि ऐसी बीमारी कभी नहीं देखी गयी। यह काफी खतरनाक है। इससे सचेत रहने की जरूरत है। सम्मेलन में भाग ले रहे शोधार्थी इसका समाधान ढूंढ़ें। बिहार में पहली डोज का पांच करोड़ और दूसरी डोज दो करोड़ लोगों को दी जा चुकी है। नालंदा विश्वविद्यालय के पुनर्निर्माण की सोच उन्होंने 26 नवम्बर 2005 को सत्ता में आते ही बनायी थी। वर्ष 2007 में तय हुआ कि इसे अंतरराष्ट्रीय बनाया जाये। इसके लिए उन्होंने जमीन उपलब्ध करायी। प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय में 10 हजार छात्र पढ़ते थे। यहां चीन, जापान, दक्षिण कोरिया सहित अन्य देशों के छात्र रहकर पढ़ाई करते थे। उसी तरह नये विश्वविद्यालय में भी विभिन्न देशों के छात्र आएं और ज्ञान अर्जन करें।

पुरानी राजधानी है राजगीर : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि राजगीर पौराणिक जगह है। यह प्राचीन राजधानी रही है।

भगवान बुद्ध ज्ञान के पहले और ज्ञान पाने के बाद कई बार यहां आये। यहां आकर उन्होंने उपदेश दिया। भगवान महावीर का भी संबंध यहां से रहा है। साथ ही, सूफी संत मखदूम शाह, गुरुनानक देव का भी यहां से संबंध रहा है। यहां पर जरासंध का अखाड़ा सहित अन्य ऐतिहासिक धरोहर हैं। राजगीर में हर तीन साल पर मलमास मेला लगता है। ऐसी मान्यता है कि यहां पर 33 करोड़ देवी-देवता का वास एक माह तक मेला के दौरान राजगीर में होता है। यह शिक्षा व धर्म की अनूठी स्थली है। कहा कि सम्मेलन में तीन दिनों तक जो चर्चा होगी उसका एक सार निकलेगा, जिससे विश्व कल्याण में सहायता होगी।

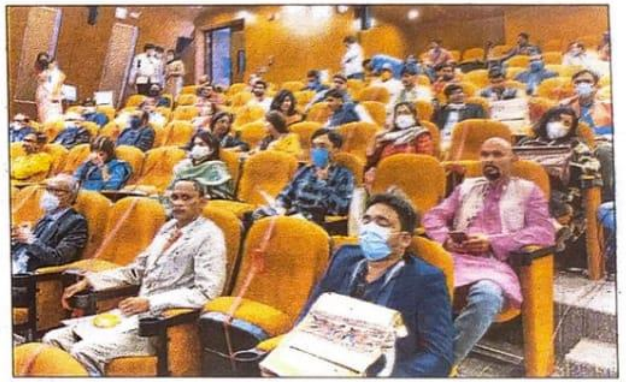

नालंदा विश्वविद्यालय में रविवार को परिसर में पौधारोपण करते उप राष्ट्रपति वेंकैया नायडू, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, राज्यपाल फागु चौहान व धर्म-धम्म सम्मेलन में भाग लेते लोग।

जीवन सुरक्षा सबसे अहम : वनियारची

राजगीर। श्रीलंका की परिवहन मंत्री पवित्रा वनियारची ने कहा कि कोरोना के कारण पूरी दुनिया त्रस्त रही। इससे स्वास्थ्य व अर्थव्यवस्था पर काफी असर पड़ा। लोगों की जीवन सुरक्षा सबसे अहम है। भारत सरकार ने नालंदा विश्वविद्यालय का पुनर्निर्माण किया। राजगीर एक ऐतिहासिक स्थल है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है। नालंदा विश्वविद्यालय में इंडिया फाउंडेशन द्वारा आयोजित छठा धर्म-धम्म सम्मेलन में भाग लेने के लिए उपराष्ट्रपति 12:30 बजे हेलिकॉप्टर से राजगीर पहुंचे। इसके बाद उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने विश्वविद्यालय में पौधरोपण किया।

धर्म-धम्म सम्मेलन में शामिल होने आये कई दिग्गज

राजगीर। छठे धर्म-धम्म सम्मेलन में शामिल होने के लिए उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू के आगमन को लेकर रविवार को सुबह से ही छबिलापुर-राजगीर स्टेट हाइवे बंद रहा। कई जगहों पर गांवों को जाने वाली सड़कों में बैरियर लगाया गया था। वहां पर दंडाधिकारी व पुलिस तैनात रहे। इस कारण लोगों को पूरे दिन परेशानी हुई। लोगों को राजगीर आने के लिए बाईपास का सहारा लेना पड़ा। उपराष्ट्रपति के आगमन को लेकर रविवार को चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात दिखी। वहीं नालंदा विश्वविद्यालय परिसर में भी वाहनों के जाने की मनाही रही। इस कारण वैसे लोग जिन्हें निमंत्रण भी था उन्हें मुख्य सड़क पर ही वाहन को पार्क कर वहां से दो किलोमीटर पैदल जाना पड़ा। वाहनों को भी मुख्य सड़क पर ही मेन गेट के पास रोक दिया गया। सम्मेलन में आये लोगों को पानी के लिए भी भटकता देखा गया। लोगों को पूरे चार घंटे तक बंद कमरे में रहना पड़ा। हालांकि, इस बार विश्वविद्यालय प्रबंधन ने कोरोना के कारण बहुत कम लोगों को निमंत्रण दिया था।

हिन्दुस्तान पटना • सोमवार • 08 नवंबर 2021

कोरोना के बाद विश्व व्यवस्था के निर्माण में नयी दिशा तय करेगा धर्म-धम्म सम्मेलन : उपराष्ट्रपति

प्रकृति-संस्कृति के समावेश से ही लोगों का भविष्य बेहतर

राजगीर (नालंदा) | राजीव लोचन

उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने कहा कि नेचर (प्रकृति) और कल्चर (संस्कृति) के समावेश से ही लोगों का भविष्य बेहतर बन सकता है। उन्होंने कहा कि शांति से विकास का मार्ग प्रशस्त होता है। इसलिए हमें सद्भावना और विश्व शान्ति की बात करनी चाहिए। उपराष्ट्रपति रविवार को इंडिया फाउंडेशन व नालंदा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित तीन दिवसीय छठे धर्म-धम्म सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

नालंदा विश्वविद्यालय के नये कैम्पस में सम्मेलन का आयोजन कोविड के बाद लोगों के तनाव को दूर करने, खुश रहने और मानव कल्याण का मार्ग ढूंढ़ने के उद्देश्य से किया गया है। इस मौके पर उपराष्ट्रपति ने कहा कि कोरोना से पूरी दुनिया त्रस्त हो गयी है। कोरोना के बाद विश्व व्यवस्था के निर्माण में धर्म-धम्म सम्मेलन एक नई दिशा तय करेगा। उपराष्ट्रपति ने कहा कि नालंदा विश्वविद्यालय अपनी पुरानी ख्याति को प्राप्त करने और छात्रों को सिर्फ ज्ञान ही नहीं, बल्कि बुद्धिमान बनाने के लिए भी समर्पित है। दूसरों का ध्यान रखना और दूसरों के साथ मिलकर रहना ही हिन्दुस्तान की परंपरा है। नालंदा पहले भी विश्वगुरु कहलाता था और आज भी उस ओर अग्रसर है।

धर्म-धम्म सम्मेलन

- मिलकर रहना ही भारत की परंपरा : उपराष्ट्रपति
- हमें सद्भावना व विश्व शान्ति की बात करनी चाहिए

03 दिवसीय छठे धर्म-धम्म सम्मेलन का आयोजन

राजगीर में रविवार को धर्म-धम्म सम्मेलन में उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू, राज्यपाल फागू चौहान और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार।

कृषि के क्षेत्र में तेजी से विकास की जरूरत

मोतिहारी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि राज्य की 75 फीसदी आबादी कृषि पर निर्भर है। इसलिए कृषि के क्षेत्र में तेजी से विकास की जरूरत है। वे रविवार को कृषि विज्ञान केन्द्र पीपराकोठी में आयोजित डॉ. राजेन्द्र प्रसाद कृषि केन्द्रीय विश्वविद्यालय, पूसा के दूसरे दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में पहले की तुलना में आधुनिक तकनीक के प्रयोग से फसल उत्पादकता में दोगुना वृद्धि हुई है। धान, गेहूं, मक्का, सब्जी व फल उत्पादन में अच्छी वृद्धि हुई है।

> ब्योरा पेज 07

कोविड प्राकृतिक नहीं, पूरी तरह कृत्रिम : नीतीश

राजगीर (नालंदा)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि कोविड महामारी प्राकृतिक नहीं, बल्कि पूरी तरह कृत्रिम है। इससे निजात पाने का उपाय धर्म-धम्म सम्मेलन में ढूंढ़ा जाना चाहिए। उन्होंने टीकाकरण में राज्य व देश की उपलब्धियां बतायीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नालंदा विश्विद्यालय सामान्य यूनिवर्सिटी नहीं है। इसका विशेष उद्देश्य है। हमें उम्मीद है कि यह उस मुकाम को पाने की दिशा में बेहतर काम करेगा। उन्होंने भगवान बुद्ध, भगवान महावीर, सूफी संत बाबा मखदूम व गुरुनानक देव के राजगीर से संबंध के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि धर्म-धम्म सम्मेलन में मानवता के कल्याण के उपाय ढूंढ़ने की जरूरत है।

मौके पर ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, सांसद कौशलेन्द्र कुमार, कुलपति प्रोफेसर सुनैना सिंह, इंडिया फाउंडेशन के पूर्व निदेशक राम माधव, इंडिया फाउंडेशन के निदेशक ललित कुमार मंगलम, आयुध निर्माणी के महाप्रबंधक मनोज श्रीधर वाघ, विधायक कौशल किशोर, डीएम योगेन्द्र सिंह, एसपी हरि प्रसाथ एस सहित अन्य मौजूद थे।

> देखें पेज 05

दैनिक भास्कर

दैनिक भास्कर, पटना, सोमवार, 8 नवंबर, 2021

बोले नीतीश-फिर लौटेगा नालंदा विश्वविद्यालय का प्राचीन गौरव, दुनिया भर के छात्र यहां पढ़ने आ सकेंगे

पटना | मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि नालंदा विश्वविद्यालय कोई सामान्य विश्वविद्यालय नहीं है। प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय में दुनिया भर के 10 हजार से अधिक छात्र अध्ययन करते थे। इसका गौरव फिर लौटेगा। हम चाहते हैं कि यह अंतर्राष्ट्रीय स्तर का हो। काफी प्रयास के बाद हमने यहां स्थल का चयन किया। यह विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय स्तर का होगा और पुनः दुनिया भर के लोग यहां पढ़ेंगे। वे रविवार को नालंदा विश्वविद्यालय (राजगीर) में आयोजित छठे अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन 2021 को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने डॉ.राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय (पूसा) पिपराकोठी परिसर के द्वितीय दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कृषि क्षेत्र में किए गए अपने सरकार को कामों तथा उसके नतीजों को विस्तार से बताया। कहा-कृषि रोडमैप बनाकर काम हो रहा है।

दैनिक भास्कर
पटना, सोमवार, 08 नवंबर, 2021
dainikbhaskar.com

धर्म-धम्म सम्मेलन • नालंदा विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय कार्यक्रम का उपराष्ट्रपति ने किया उद्घाटन

बिना कारण तनाव में हैं लोग, खुश रहकर ही तय होगा विकास का रास्ता : वेंकैया

प्रमोद कुमार | राजगीर

1 कोरोना प्राकृतिक नहीं कृत्रिम आपदा : नीतीश

2 कोरोना से प्रभावित हुई है जीवनशैली : फागू चौहान

3 सम्मेलन में विद्वानों ने सुझाया आगे का रास्ता

इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से नालंदा विश्वविद्यालय में कोविड उपरांत विश्व व्यवस्था के निर्माण में धर्म-धम्म परंपराएं विषय पर आयोजित छठा धर्म-धम्म सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने तनावमुक्त जीवन जीने का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि खुश रहकर ही विकास का रास्ता तय किया जा सकता है। सभी देश को मिलकर तनावयुक्त जीवन से बाहर निकलकर तनावमुक्त व खुश रहने की कला को सीखना होगा। उन्होंने कहा कि आज हर इंसान किसी न किसी रूप में तनाव में है। हालांकि पूछने पर पता चलेगा कि तनाव का कोई कारण ही नहीं है। टेंशन को जरूरत से ज्यादा अटेंशन देना ही टेंशन का कारण है। उन्होंने धर्म-धम्म सम्मेलन का नालंदा यूनिवर्सिटी के सहयोग से आयोजन के लिए इंडिया फाउंडेशन की पहल को सराहा। कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को व्यवस्थित तरीके से आयोजित करने के लिए इंडिया फाउंडेशन और नालंदा यूनिवर्सिटी की यह पहल महत्वपूर्ण है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत सहित पूरे विश्व में कैसे शांति स्थापित किया जाये यह समय की मांग है। शांति में ही तरक्की है। भारत की संस्कृति और सभ्यता शुरू से ही शांति में विश्वास करने की है। बुद्धिज्म व हिन्दूइज्म के बूते ही देश में शांति लायी जा सकती है। हिन्दूइज्म और बुद्धिज्म को एक साथ सीखना पढ़ना जरूरी है। यदि इसे पढ़कर व सीखकर गौतम बुद्ध की बातों पर अमल करेंगे तो पता चलेगा कि सभ्यता को जीवित रखना ही धर्म है और शांति में ही तरक्की है। दूसरे को जीतना हराना धर्म नहीं। सर्वे भवंतु सुखिनः का ही पाठ पढ़कर तरक्की कर सकते हैं।

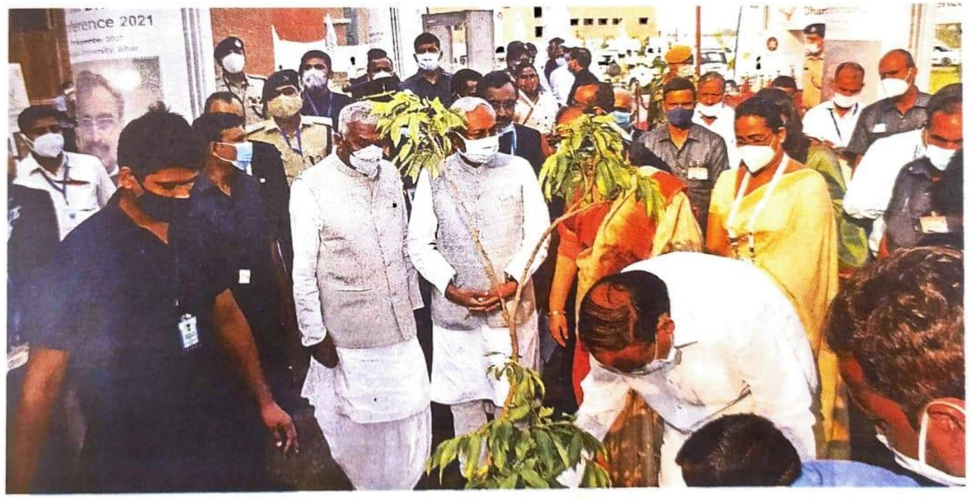

नालंदा अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय में पौधरोपण करते उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू, साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और राज्यपाल फागू चौहान।

गौरव लौटाने का संकल्प : मुख्यमंत्री ने राजगीर के इतिहास पर चर्चा की

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि यह अच्छी बात है कि सम्मेलन में देश विदेश के लोग कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करेंगे। आज देश दुनिया में जो विचित्र तरह की बीमारी फैली हुई है इतिहास में कभी ऐसा नहीं हुआ था। कोरोना पूरी दुनिया में फैला है। यह बहुत खतरनाक है। इसे रोकने के लिए अलग-अलग देशों में बहुत सारे काम हुए हैं लेकिन भारत में इसे रोकने के लिए हर स्तर पर कार्य किया गया है। लगातार पीएम का गाइड लाइन मिलता रहा है और बैठकें होती रही है। यहां कोरोना काफी घटा है। दो लहर समाप्त हो चुकी है। लोग बता रहे हैं कि तीसरा चरण भी आ सकता है। इस सम्मेलन में जो चर्चा करेंगे इस पर निदान निकलेगा। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा भारत में एक करोड़ से अधिक वैक्सीन लग चुका है। लगभग दो साल बीत चुका है। यह ध्यान देने वाली बात है कि यह नेचुरल नहीं है। चीन के बुहान से शुरू हुआ और पूरी दुनिया में फैला है। पृथ्वी पर कब क्या संकट आने वाला है नहीं कहा जा सकता। चीन में कोरोना को लेकर कुछ पता नहीं चल पाता। गौर करने वाली बात है चीन क्या करता है यह पता नहीं चल पाता है। उन्होंने नालंदा विवि की स्थापना से जुड़े बातों पर भी चर्चा की और कहा कि 2016 में राष्ट्रपति के हाथों शिलान्यास हुआ था। उन्होंने राजगीर के इतिहास पर चर्चा की।

कोरोना से प्रभावित हुई है हमारी जीवनशैलीः फागू

राज्यपाल फागू चौहान ने कहा कि कोरोना से हमारी जीवनशैली प्रभावित हुई है। इसका निदान सम्मेलन में हुई चर्चा से निकलेगा। अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन का आयोजन खुशी की बात है। उन्होंने पर्यावरण की देखभाल पर भी जोर दिया और कहा कि सम्मेलन का जो उद्देश्य है उस पर सभी को विचार करना चाहिए। इस सम्मेलन में दुनिया भर के 150 विद्वान अपने शोध पत्रों को प्रस्तुत करेंगे। अपनी परंपरा हिन्दी साहित्य का प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए।

प्रभात खबर
पटना, सोमवार
8.11.2021

संबोधन. नालंदा विवि भारत व विश्व के बीच सेतु बने

विश्व के ज्ञान का केंद्र है बिहार : उपराष्ट्रपति

संवाददाता ▷ पटना

उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने दुनिया में शांति और सद्भावना की स्थापना के लिए अपनी जीवनशैली और सोच के हर पहलू का पुनर्मूल्यांकन करने का आह्वान किया. रविवार को नालंदा में छठे धर्म धम्म अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि धर्म-धम्म परंपरा में कोरोना के बाद विश्व के सामने उभरती चुनौतियों के लिए समग्र और समावेशी जवाब मौजूद हैं. इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने दुनिया के सबसे बड़े आत्मनिर्भर नेट-जीरो कैंपस बनाने की दिशा में प्रयास करने के लिए नालंदा विश्वविद्यालय की सराहना की. दो दिनों के बिहार दौरे पर आये उपराष्ट्रपति इसके पहले मोतिहारी के पीपराकोठी में डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि के दीक्षांत समारोह में शामिल हुए. उन्होंने बिहार को देश ही नहीं, बल्कि विश्व के ज्ञान का केंद्र बताया. उपराष्ट्रपति ने कहा कि नालंदा विश्वविद्यालय को एक बार फिर ज्ञान की शक्ति के माध्यम से भारत को बाहरी दुनिया से जोड़ने के लिए 'सेतु और नींव' के रूप में काम करना चाहिए. ● बाकी पेज 13 पर

चंपारण की मिट्टी ने गांधी को बनाया बापू

डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि की 100 करोड़ की योजनाओं का उद्घाटन करते उपराष्ट्रपति, वेंकैया नायडू और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार .

1 नालंदा विवि एक बार फिर भारत को बाहरी दुनिया से जोड़ने के लिए 'सेतु और नींव' के रूप में काम करे

2 धर्म-धम्म परंपराओं में कोविड के बाद विश्व के सामने उभरती चुनौतियों के लिए समावेशी जवाब मौजूद हैं

छात्र-छात्राएं कृषि के क्षेत्र में पढ़ें और आगे बढ़ें : सीएम

डॉ राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि राज्य के छात्र और छात्राएं कृषि के क्षेत्र में पढ़ें और आगे बढ़ें, यह देश और राज्यहित में है . बिहार में करीब 78% आबादी की निर्भरता कृषि पर है . देश में आबादी की दृष्टिकोण से बिहार तीसरे स्थान पर और क्षेत्रफल की दृष्टि 12वें स्थान पर है . आबादी नियंत्रण के लिए हमलोग महिलाओं को शिक्षित कर रहे हैं . महिलाओं के शिक्षित होने से प्रजनन दर घटेगा .

दैनिक जागरण
पटना, 8 नवंबर, 2021

डा. कलाम के सपनों को साकार करेगा नालंदा विश्वविद्यालय : राज्यपाल

नालंदा विश्वविद्यालय की महत्ता पर प्रकाश डालते राज्यपाल फागू चौहान। • जागरण

संवाद सहयोगी, राजगीर : नालंदा विवि में अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में राज्यपाल फागू चौहान ने कहा कि प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा का केन्द्र रहा है। अब प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय के गौरवशाली अतीत को बरकरार रखने के लिए नवस्थापित नालंदा विश्वविद्यालय अपनी अहम भूमिका निभाने को अग्रसर है। आठ सौ साल बाद एक बार फिर से इसका पुनर्निर्माण हुआ है। यह विवि पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के सपने को साकार करेगा। धर्म का अहम स्थान है। सभी धर्मगुरुओं ने भी अनुराग, सत्य व अहिंसा को अपनाने की बात कही है। अपने अभिभाषण के दौरान राज्यपाल कई बार शब्दों के उच्चारण में लड़खड़ाए। वहीं श्रीलंका की परिवहन मंत्री को प्रधानमंत्री कह डाला। हालांकि पांच-छह पंक्तियों के बाद राज्यपाल संभलकर उच्चारण करने लगे।

उच्चारण में कई बार लड़खड़ाए राज्यपाल, श्रीलंका की परिवहन मंत्री पवित्रा वनियारच्ची को प्रधानमंत्री तक कह डाला

नालंदा विवि में आयोजित धर्म धम्म सम्मेलन में अतिथियों के संबोधन को सुनते बाहर से आए हुए प्रतिनिधिगण। • जागरण

पीएम की अपील को विवि ने धरातल पर उतारा : कुलपति

जागरण संवाददाता, बिहारशरीफ : अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन के स्वागत भाषण में नालंदा विवि की कुलपति प्रोफेसर सुनैना सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व जल दिवस पर जल शक्ति अभियान की शुरुआत की थी। जिसमें उन्होंने वर्षा के जल को संरक्षित करने की अपील की थी। पीएम ने 2070 तक इसे पूरा करने का वादा किया था। नालंदा विश्वविद्यालय की जल संरक्षण योजना केन्द्र सरकार की इसी परिकल्पना पर आधारित है। विवि ने केन्द्र सरकार की सबका साथ सबका विकास की परिकल्पना को भी आत्मसात किया है। साथ ही सीएम नीतीश कुमार की सोच जल-जीवन-हरियाली को भी केंद्रित कर काम किया। प्रकृति की गोद में बसे नालंदा विश्वविद्यालय का परिसर कई मायनों में अनोखा परिसर है। इस परिसर में भारतीय वास्तुकला और नालंदा स्थापत्य शैली की प्रेरणा तो है ही, साथ ही इसका निर्माण पूरी तरह से 'इको फ्रेंडली' किया गया है। यह परिसर 'नेट जीरो' है, जिसका अर्थ है कि इस परिसर से वातावरण में प्रदूषण की स्थिति शून्य है। हमने उर्जा की बचत और कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के मामले में उल्लेखनीय प्रगति की है। अभी यहां विश्व के तीस देशों के विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं।

स्वागत भाषण में कुलपति प्रो. सुनैना सिंह ने कहा- वेद सूत्र और बुद्ध के मध्यम मार्ग से दूर होगा आर्थिक व सामाजिक अलगाव

अपने संबोधन में धर्म धम्म सम्मेलन के विषय पर प्रकाश डालती कुलपति प्रो सुनैना सिंह।

कुलपति ने कहा कि कोविड के दौर में आया आर्थिक व सामाजिक अलगाव वेद सूत्र और बुद्ध के मध्यम मार्ग से ही दूर होगा। धम्म और वेद के पुरुषार्थ को मिलाकर सामाजिक संतुलन बनाया जा सकता है। बुद्ध के अष्टांगिक मार्ग को अपना कर विश्व शांति लाई जा सकती है। अंत में कुलपति ने यजुर्वेद के सुक्त पृथ्वी शांति, वनस्पतयै शांति के जरिए विश्व कल्याण की कामना कर स्वागत भाषण सम्पन्न किया। इससे पहले विवि प्रशासन की ओर से उपराष्ट्रपति, श्रीलंका की परिवहन मंत्री, राज्यपाल व मुख्यमंत्री को शाल व प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

चाक-चौबंद थी सुरक्षा व्यवस्था

जागरण संवाददाता, बिहारशरीफ : नालंदा विवि में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय धर्म -धम्म सम्मेलन की सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद थी। वरीय अधिकारी स्वंश सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभाले हुए थे। कड़ी जांच के बाद ही प्रतिभागियों को अंदर प्रवेश की अनुमति दी गई। उपराष्ट्रपति के कार्यक्रम को ले शहर में भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात थे।

उप राष्ट्रपति वेंकैया नायडू से मिलते ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार व सांसद कौशलेंद्र।

राष्ट्रीय चिंतक राम माधव से बात करती इंडिया फाउंडेशन की अध्यक्ष ललिया कुमार मंगलम।

नालंदा विवि परिसर में प्रवेश के वक्त सुरक्षा जांच करती महिला पुलिसकर्मी। • जागरण

पटना, 8 नवंबर, 2021 दैनिक जागरण

नालंदा विवि का सुषमा स्वराज आडिटोरियम, जहां हो रहा धर्म धम्म सम्मेलन।

सम्मेलन से जीवंत हो गईं सुषमा स्वराज की यादें

जासं, बिहारशरीफ : राजगीर में आकार ले चुके नालंदा विवि परिसर में छठे धर्म-धम्म सम्मेलन के जरिए पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज की याद जीवंत हो उठीं। वे 19 सितम्बर 2014 को यहां आईं थीं और विवि का औपचारिक शिलान्यास किया था। उनके निधन के बाद विवि परिसर में सुषमा स्वराज के नाम पर कन्वेंशन हाल का निर्माण किया गया। रविवार को उसी कन्वेंशन हाल में इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आगाज किया गया। जहां कई देशों के प्रतिनिधि और शोधार्थी जुटे हैं। वे मंथन भी सुषमा स्वराज के प्रिय विषय विश्व के ग्रास हैप्पीनेंस सूचकांक की वृद्धि पर करेंगे। ताकि

19 सितम्बर 2014 को पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय का किया था औपचारिक शिलान्यास

कोविड महामारी के दौर में पूरे विश्व में छाए निराशा व अनिश्चितता के बादल छंट सकें। निराश करने वाली बात यह रही कि पूरे उद्घाटन सत्र में विवि प्रबंधन की ओर से दिवंगत विदेश मंत्री सुषमा स्वराज के नाम का जिक्र नहीं किया गया। बस राज्यपाल फागू चौहान ने दिवंगत राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम को याद किया। जिनकी सोच के अनुरूप नालंदा अंतर्राष्ट्रीय विवि को ढाला जा रहा है।

नालंदा अंगवस्त्रम पाकर अभिभूत हुए उपराष्ट्रपति

जासं, बिहारशरीफ : नालंदा विवि की परम्परा को पुनर्जीवित करने तथा जिले के हुनरमंद बुनकरों को सालों भर काम देने के इरादे से विशेष रूप से तैयार कराए गए नालंदा अंगवस्त्रम को पाकर उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू अभिभूत हो गए। उन्होंने गौरव से नालंदा लिखे अंगोछे को स्वीकार किया और इसे भेंट करने वाले समाजसेवी नीरज कुमार की सोच को सराहा। कहा, वक्त की कमी के कारण वे इस अंगवस्त्र को मंच पर स्वीकार नहीं कर सके। भाजपा नेता राम माधव को नालंदा अंगवस्त्रम भेंट कर उनकी शुभकामनाएं हासिल कीं। राम माधव ने कहा कि किसी के सम्मान में अंगवस्त्र भेंट करना भारतीय परम्परा रही है। अंगवस्त्र भेंट करने के समय शिक्षक नेता गणेश पांडेय, अधिवक्ता अजीत कुमार, समाजसेवी अरूण कुमार समेत अन्य लोग मौजूद थे।

शोधार्थियों ने कहा–हम निकालेंगे दुनिया को पटरी पर लाने का समाधान

संवाद सहयोगी, राजगीर : छठे अंतर्राष्ट्रीय धर्म धम्म सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के बाद नालंदा विश्वविद्यालय ऑडिटोरियम में कई देशों के प्रतिनिधियों व शोधार्थियों ने अपनी राय प्रकट की। सभी ने कोविड महामारी के बाद विश्व व्यवस्था में मानव समुदाय के कल्याण पर प्रकाश डाला। कहा, हम सभी मिलकर बेपटरी हो चुकी दुनिया को पटरी पर लाने का समाधान निकालेंगे। जागरण ने कई प्रतिनिधियों से बातचीत की, पेश है उसके अंश।

मेरा मानना है कि यह हमारी नियति है कि हम यहां इस तरह की ऐतिहासिक यात्रा में यह पता लगाने के लिए है, कि धर्म–धम्म परंपराओं ने कोविड के बाद की दुनिया के निर्माण में कैसे योगदान दिया है। – **पविथ्रा देवीवनिमारक्षी**, परिवहन मंत्री, श्रीलंका

कोरोना महामारी के बाद विश्व व्यवस्था स्थापना को लेकर आयोजित धर्म–धम्म सम्मेलन कई मायने में महत्वपूर्ण है। वैश्विक महामारी कोविड–19 ने आम जनमानस के जीवन में दर्द और दंश की जो इबारत लिख डाली। विवि द्वारा आयोजित इस धर्म–धम्म सम्मेलन के विषय को अमल में लाकर जन–जीवन को पटरी पर लाने की कोशिश गौरव की बात होगी। – **एंड्रिया लोसरिस**, विजिटिंग फैकल्टी

जब तक हम सभी पर्यावरण का आदर नहीं करेंगे। तब तक हम विश्व के समस्त जीव–जगत के लिए एक सर्वसुलभ माहौल नहीं दे सकते। हम सभी को प्यार, शांति और सौहार्द के साथ इस पर मंथन करने की जरूरत है। – **नोरलीना पासारिगू**, शोधार्थी, कोरिया

इस तीन दिवसीय धर्म धम्म सम्मेलन में शामिल होकर हम सभी को कोरोना महामारी के दंश और उससे आहत विश्व समुदाय के उत्थान की चर्चा करनी है। आशा है कि इसमें शामिल सभी विद्वान इसका निराकरण अवश्य निकाल लेंगे। इस बड़े विमर्श का हिस्सा बनकर हमें गर्व हो रहा है। – **थेग्वांग डेमा**, शोधार्थी, भूटान

कोविड 19 के बाद विश्व व्यवस्था का असंतुलन एक बड़ी चुनौती है। इसे संतुलन में लाने के लिए हम सभी को एक मंच पर आकर आवश्यक कदम तय करने की जरूरत है। धर्म–धम्म सम्मेलन इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। – **क्रांति सागर**, शोधार्थी, उड़ीसा

धर्म–धम्म सम्मेलन का विषय मानवता से जुड़ा है। इसमें विश्व समुदाय के कुशल मंगल की चिंता समाहित है। भगवान बुद्ध ने हमेशा सत्य, अहिंसा, समानता और शांति के साथ मानव कल्याण की बात कही है। सम्मेलन में परिचर्चा और मंथन के बाद विश्व व्यवस्था के संतुलन का रास्ता अवश्य निकाला जाएगा। – **सुमेघ थेरो**, मुख्य भिक्षु, ललितपुर बुद्ध विहार, यूपी

वैश्विक महामारी से हताहत मानव समुदाय की एक लंबी फेहरिस्त है। धर्म–धम्म सम्मेलन का निर्धारित विषय इस समस्या के निराकरण में एक उम्मीद की किरण है। सभी को मानव समुदाय के कल्याण के लिए कदम से कदम मिलाकर चलने की जरूरत है। – **फैजल मोहम्मद जकारी**, घाना

यह सम्मेलन मानव समुदाय के कल्याण के लिए नया आयाम लेकर आएगा। जिसमें कोविड 19 के बाद विश्व व्यवस्था की परिचर्चा होगी। इसमें शामिल सभी संत, बौद्ध भिक्षु तथा विद्वान मार्गदर्शन प्रस्तुत करेंगे। जिससे इस सम्मेलन का प्रयोजन सार्थक होगा। – **मारिया वासलुपे**, शोधार्थी, मैक्सिको

शिक्षक है कोविड, बुद्धिमान नहीं बने तो होंगे संक्रमित

उपराष्ट्रपति ने कहा–कोविड के दौर में लोगों की मानसिकता बदलने की जरूरत

प्रशांत सिंह • बिहारशरीफ

अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन में उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू शिक्षक की भूमिका में नजर आए। अंग्रेजी की कई तुकबंदियों के सहारे श्रोताओं को बड़ी सीख दी। कहा कि कोविड शिक्षक की तरह है। अगर आप बुद्धिमत्ता पूर्ण व्यवहार नहीं करेंगे तो फिर संक्रमित हो जाएंगे। आज स्वास्थ्य के लिए धन कमाने की जरूरत आन पड़ी है। हर किसी को मनसिकता बदलने की जरूरत है। ताकि आंतरिक व बाह्य शांति हासिल की जा सके। हमें अपने खान-पान की आदतें और सोच दोनों बदलनी होंगी। अपनी जड़ों की ओर लौटना होगा। शांति के लिए अपनी कार्यपद्धति पर नजर रखते हुए एजेंडा पर फोकस करना होगा। उपराष्ट्रपति ने कहा कि नेचर और कल्चर के मिलन से ही हमारा भविष्य उज्ज्वल हो सकता है। प्रकृति और संस्कृति में सामंजस्य कैसे बैठाया जाए, इस पर मंथन करें। सिस्टम, कस्टम और ट्रैडिशन तीनों को साथ लेकर चलने की दरकार है।

नालन्दा विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में आयोजित धर्म धम्म सम्मेलन में मंचासीन (दाएं से) श्रीलंकाई परिवहन मंत्री पविथ्रा वनियारच्ची, राज्यपाल फागू चौहान, उप राष्ट्रपति वैंकेया नायडू, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार। • जागरण

कोरोना ने आरोग्य परम लाभ की सार्थकता समझाई : पविथ्रा

जागरण संवाददाता, बिहारशरीफ : नालंदा विवि में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय धर्म -धम्म सम्मेलन की विशिष्ट अतिथि श्रीलंका की परिवहन मंत्री पविथ्रा देवीवनिमारक्षी ने कहा कि कोरोना के दौर ने पूरे विश्व को आर्थिक नुकसान सहने की शक्ति दी, हर देश ने अपने नागरिकों को बचाने की हर संभव कोशिश की। श्रीलंका जैसे देश ने आर्थिक नुकसान के बाद भी इंसानों के जीवन को बचाने के लिए काफी संघर्ष किया। इस वैश्विक महामारी के बीच धर्मा-धम्म की एक सुत 'आरोग्य परम लाभ' की सार्थकता समझने का मौका मिला। जिस व्यक्ति के पास संतोष रूपी धन है, वही सुखी है। अर्थात व्यक्ति के पास जितना हैं, उस में जीवन जीना, आनंदित होना चाहिए। संतोषी जीवन जीना भी एक कला है। स्वस्थ्य रहना सबसे बड़ा लाभ, संतोष सबसे बड़ी संपत्ति, विश्वास एक अच्छा संबधी, निर्वाण सबसे बेहतर जगह है। भगवान बुद्ध ने 2500 वर्ष पहले कहा था कि अगर आप स्वस्थ हैं तो आर्थिक नुकसान के कुप्रभाव से बच सकते हैं।

धर्म कोई भी हो, सभी के रास्ते हैं एक : उपराष्ट्रपति

जागरण संवाददाता, बिहारशरीफ : उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने नालंदा विवि परिसर में आयोजित धर्म धम्म सम्मेलन में कहा कि धर्म कोई भी हो, रास्ते सभी के एक हैं। अहिंसा, प्रेम व इंसानियत। धर्मा व धम्मा एक ही शब्द है। संस्कृत व पाली के यह शब्द सिर्फ और सिर्फ प्रेम व करुणा की ही बात करते हैं।

आज जरूरत है, बुद्ध के बताए रास्तों के बूते अन्य देशों के बीच समाधान का रास्ता बनाया जाए। उन्होंने कहा कि यह पहल बौद्ध धर्म के सिद्धांतों को लोकप्रिय बनाने में काफी लंबा रास्ता तय करेगा। वे आने वाली पीढ़ियों को आसानी से मानवता, सहनशीलता, अनुशासन और करुणा के सर्वोच्च आदर्शों के साथ जुड़ने में मदद करेंगे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि देश की संस्कृति व विरासत हमें आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। मुझे खुशी है कि अलग-अलग देश के 100 छात्र अपने शोध पत्र जमा करेंगे। विवि को नए विचार, प्रयोग व दिशा-निर्देश देने की जरूरत है।

हाथ में नालंदा अंगवस्त्रम लेकर पुस्तक देखते उप राष्ट्रपति वेंकैया नायडू • जागरण

पौधरोपण करते उपराष्ट्रपति वैंकेया नायडू, साथ में मुख्यमंत्री व राज्यपाल। • जागरण

उपराष्ट्रपति, राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने लगाए पौधे

सुषमा स्वराज कन्वेंशन हाल में आने के पहले उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू ने नालंदा विवि परिसर में अशोक का पौधा लगाया, फिर उसकी सिंचाई भी की। इस दौरान राज्यपाल फागू चौहान और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी साथ थे। इस मौके पर उपराष्ट्रपति ने कहा कि विवि परिसर को हरा–भरा और पर्यवरण अनुकूल रहना चाहिए। यहा का नेट जीरो कैम्पस और इको फ्रेंडली सिस्टम अनुकरणीय है।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार। • जागरण

सम्मेलन को संबोधित करती श्रीलंकाई परिवहन मंत्री पविथ्रा वनियारच्ची • जा

03 हिन्दुस्तान
पटना • रविवार • 07 नवंबर 2021

तीन दिवसीय छठा धर्म-धम्म सम्मेलन की शुरुआत रविवार को नालंदा विश्वविद्यालय के कैम्पस में होगी

राजगीर में तीन घंटे 50 मिनट रहेंगे उपराष्ट्रपति

राजगीर | कार्यालय संवाददाता

तीन दिवसीय छठा धर्म-धम्म सम्मेलन की शुरुआत रविवार को नालंदा विश्वविद्यालय के कैम्पस में होगी। इसमें उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू मुख्य अतिथि होंगे। इनका नालंदा का यह पहला दौरा है। दोपहर 12 बजकर 25 मिनट पर वे राजगीर आएंगे। तीन घंटा 50 मिनट के ठहराव के बाद सवा चार बजे वापस हो जाएंगे।

मंच पर उनकी एक ओर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, श्रीलंका के परिवहन मंत्री पवित्र वानियाराच्छी के अलावा कुलपति प्रो. सुनैना सिंह होंगी। जबकि, उपराष्ट्रपति की दूसरी ओर राज्यपाल फागु चौहान व इंडिया फाउंडेशन के निदेशक ललिता कुमार मंगलम होंगी। इस तरह, मंच पर महज 6 कुर्सियां ही होंगी।

लेकिन, इन अतिविशिष्ट लोगों (वीवीआईपी) के पीछे चार लोग खड़े होकर पूरी तरह मुस्तैद रहेंगे। सीएम के पीएस, उपराष्ट्रपति के ओएसडी, पीएसओ और राज्यपाल के एडीसी होंगे। इन सभी कुर्सियों के बीच कम से कम छह फीट के दूरी होगी। पड़ोसी जिलों की सीमाओं के साथ ही नेपाल सीमा पर भी चौकसी बरती जा रही है।

तैयारी

- नेपाल की सीमा तक पर है पुलिस-प्रशासन की नजर
- दोपहर 12 बजकर 25 मिनट पर वे राजगीर आएंगे

06 कुर्सियां रहेंगी उपराष्ट्रपति के मंच पर

10 पुलिस अधिकारियों की तैनाती की गयी है

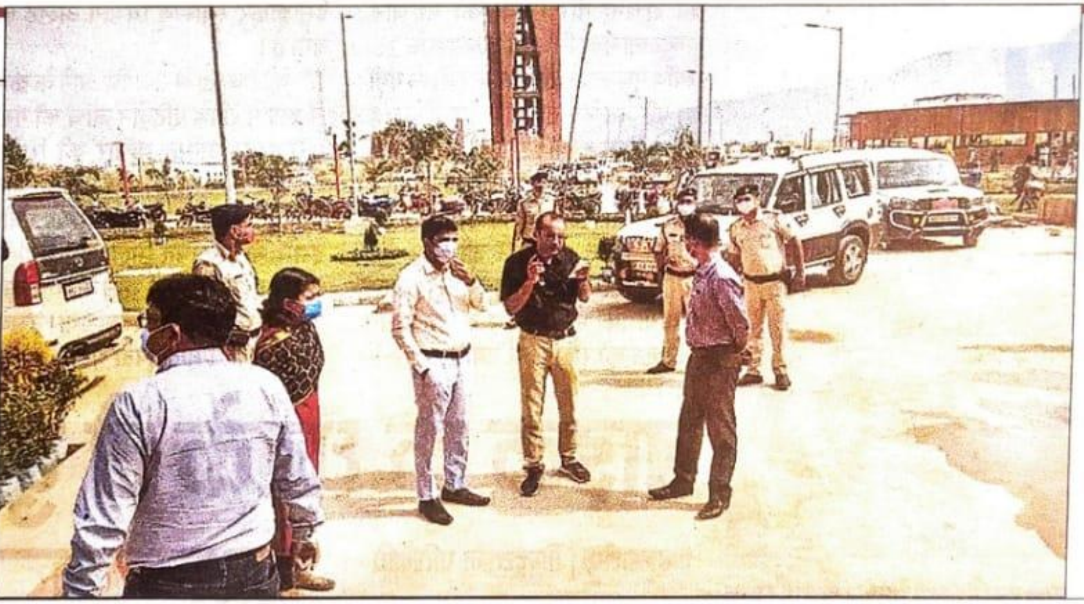

नालंदा विश्वविद्यालय का निरीक्षण करते जिलाधिकारी योगेन्द्र सिंह तथा पुलिस अधीक्षक हरि प्रसाथ एस।

वाहन की आवाजाही पूरी तरह बंद रहेगी

कार्यक्रम के मद्देनजर आकस्मिक योजना (कंटिंजेंसी प्लान) के तहत कई मार्गों पर वाहन की आवाजाही पूरी तरह बंद रहेगी। बिहारशरीफ की ओर से आने वाले बड़े वाहनों को एसडीओ कार्यालय के पास ही रोक दिये जाएंगे। जबकि, हिसुआ, नवादा व गया की ओर से आने वाले बड़े वाहनों को विश्व शांति स्तूप मोड़ पर ही रोकने की व्यवस्था की गयी है। कार्यक्रम के दौरान सरकारी बस स्टैंड से लेकर कुंडक्षेत्र तक वाहनों की आवाजाही बंद रहेगी। कई रूटों को बदल दिया गया है।

चिकित्सा व्यवस्थाः ब्लू बुक के अनुसार चिकित्सा व्यवस्था की गयी है। इसकी पूरी जिम्मेवारी सिविल सर्जन डॉ. सुनील कुमार पर होगी।

राजगीर अनुमंडलीय अस्पताल के पहले तल्ले पर आईसीयू को अलर्ट मोड में रखा जाएगा। इसमें मानक के अनुरूप एक -एक कॉर्डियोलॉजिस्ट, आईसीयू टेक्निशियन, वेंटीलेटर, कॉर्डियक मॉनिटर, डिफ्रीबीलेटर व एवीजी एनालाइजर तो दो जम्बो ऑक्सीजन सिलेंडर रखे जाएंगे।

उपराष्ट्रपति का ब्लड ग्रुप 'ओ पॉजिटिव' है। ऐसे में इस रक्त समूह के नवयुवक पुलिस जवानों को संपर्क में रखा गया है। सदर अस्पताल के साथ ही पावापुरी मेडिकल कॉलेज अस्पताल व सिलाव पीएचसी को आपातकाल के लिए अलर्ट मोड में रहने को कहा गया है। **भोजन की जांचः** कच्ची सामग्री से लेकर खाना खाने तक की हर सामग्री की जांच के लिए अलग-अलग अधिकारियों की ड्यूटी लगायी गयी है। नियंत्रण कक्ष में 20 लाठी बल के अलावा 10 पुलिस अधिकारियों की तैनाती की गयी है।

आज
पटना
रविवार, ७ नवम्बर, २०२१
3

नालंदा विश्वविद्यालय में आयोजित छठा अंतरराष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन आज

उपराष्ट्रपति करेंगे सम्मेलन का उद्घाटन

बिहारशरीफ। राजगीर स्थित अंतरराष्ट्रीय नालंदा विश्वविद्यालय में रविवार से छठा अंतरराष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन का शुरुआत होने जा रहा है। इस सम्मेलन का उद्घाटन उपराष्ट्रपति वैंकेया नायडू के द्वारा किया जाना है।

इस सम्मेलन को लेकर नालंदा विश्वविद्यालय उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू का अपने नए परिसर में स्वागत करने के लिए तैयार है। इस भव्य समारोह में बिहार के माननीय राज्यपाल और मुख्यमंत्री के साथ-साथ श्रीलंका के एक मंत्री की भी गरिमामयी उपस्थिति रहेगी।

विश्वविद्यालय द्वारा जारी एक बयान में कुलपति ने बताया कि इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विभिन्न देशों के दो सौ से अधिक प्रतिनिधि, गणमान्य व्यक्ति और काफी संख्या में विद्वान हिस्सा लेंगे। उन्होंने ये भी कहा किए यह सम्मेलन शिक्षा जगत के श्रेष्ठ बुद्धिजीवियों, प्रमुख राजनेताओं और भारत तथा विदेशों के धार्मिक राजनेताओं को एक साझा मंच प्रदान

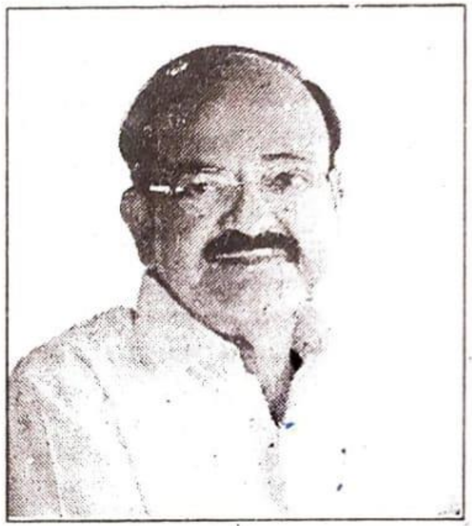

करेगा। सम्मेलन में कोविड के बाद की विश्व व्यवस्था के निर्माण की नई संभावनाओं पर विचार-विमर्श होगा।

इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित यह तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 7 से 9 नवंबर तक चलेगा। धर्म-धम्म परंपराएं लोगों की जीवन शैली सुधारने और महामारी के विनाशकारी प्रभाव से उबरने में अहम भूमिका निभा सकती है। यह सम्मेलन मानव और प्रकृति के सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व को ध्यान में रखते हुए कोविड उपरांत की खुशहाल और स्वस्थ दुनिया बनाने में बड़ी भूमिका निभाएगा और इसके लिए आध्यात्मिक मूल्यों पर आधारित नए विचारों को साझा करने की संभावना पैदा करेगा। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य इन विषयों के साथ.साथ स्वास्थ्यए मानव कल्याणए जलवायु परिवर्तन और सामाजिक सद्भाव से संबंधित अन्य विषयों पर भी विचार-विमर्श करना और धर्म-धम्म परम्पराओं में दिखाए गए मार्गों के महत्त्व को प्रदर्शित करना है।

आयोजन. धर्मा -धम्म सम्मेलन का करेंगे उद्घाटन, सुरक्षा सख्त

उपराष्ट्रपति आज आयेंगे राजगीर

- **बिहार, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश के सीएम भी होंगे शामिल**

संवाददाता, राजगीर

उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू रविवार को राजगीर आयेंगे. उनके द्वारा नालंदा विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय धर्मा-धम्म अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया जायेगा. उनकी अगुवानी के लिए नालंदा विश्वविद्यालय सज-धज कर तैयार है. उपराष्ट्रपति के आगमन को लेकर अभेद्य सुरक्षा व्यवस्था की गयी है. इस उद्घाटन समारोह में राज्यपाल फागु चौहान, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री प्रेम खंडू, विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी, श्रीलंका की परिवहन मंत्री पवित्रा वन्नियारच्ची, इंडिया फाउंडेशन के सदस्य राम माधव एवं अन्य प्रमुख हस्तियां शामिल होंगे. इस मौके पर नालंदा विश्वविद्यालय परिसर को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है. उपराष्ट्रपति एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों के आगमन के मौके पर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारियों को डीएम एसपी द्वारा संयुक्त ब्रीफिंग की गई. सम्मेलन का आयोजन नालंदा विश्वविद्यालय के सुषमा स्वराज ऑडिटोरियम किया जायेगा. ऑडिटोरियम की विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई है. शनिवार को उपराष्ट्रपति के कारकेट का फुल रिहर्सल किया गया. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की बुलेट प्रूफ गाड़ियां और कारकेट के सभी वाहन राजगीर पहुंच गए हैं. विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विभिन्न देशों के दो सौ से अधिक प्रतिनिधि और विद्वान हिस्सा लेंगे. सम्मेलन में कोविड बाद विश्व व्यवस्था के निर्माण की नई संभावनाओं पर विचार-विमर्श होगा. इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य, मानव कल्याण, जलवायु परिवर्तन और सामाजिक सद्भाव से संबंधित अन्य विषयों पर भी विचार-विमर्श करना है.

सुषमा स्वराज्य ऑडिटोरियम.

नेपाल के उपराष्ट्रपति का राजगीर दौरा रद्द

राजगीर. नेपाल के उपराष्ट्रपति नंद बहादुर पुन का राजगीर दौरा रद्द हो गया है. इसकी पुष्टि विवि के कम्युनिकेशन डायरेक्टर प्रांशु समदर्शी ने की है.

आज राजगीर आएंगे उप राष्ट्रपति वैंकेया नायडू

नालंदा विश्वविद्यालय में आयोजित अंतरराष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन का करेंगे उद्घाटन, साथ में होंगे राज्यपाल व सीएम

संवाद सहयोगी, राजगीर : आज रविवार को भारत के उप राष्ट्रपति वैंकेया नायडू राजगीर पहुंचेंगे और मुख्य अतिथि के रूप में नालंदा विश्वविद्यालय का परिदर्शन तथा यहां आयोजित इंडिया फाउंडेशन के तत्वावधान में छठें अंतरराष्ट्री धर्म धम्म सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। इस दौरान अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में सीएम नीतीश कुमार व राज्यपाल फागू चौहान भी शिरकत करेंगे। वहीं विशिष्ट अतिथियों में श्रीलंका सरकार के परिवहन मंत्री पविथ्रा वनियारच्ची, इंडिया फाउंडेशन की निदेशक ललिता कुमार मंगलम भी उपस्थित रहेंगे। इस कार्यक्रम में बिहार सरकार के मंत्रीगण भी शामिल होंगे। बता दें कि रविवार को नालंदा विश्वविद्यालय की मेजबानी में छठें अंतरराष्ट्रीय धर्म धम्म कांफ्रेंस का आयोजन किया गया है, जिसका उद्घाटन उप राष्ट्रपति वैंकेया नायडू करेंगे। उनके आगमन की तैयारियों को लेकर विवि द्वारा युद्ध स्तर पर तैयारियां पूरी कर ली गई है। इस क्रम में विधि व्यवस्था और सुरक्षा को लेकर व्यापक इंतजाम किए गए हैं। इसमें विवि परिसर में उप राष्ट्रपति के आगमन स्थल हेलीपैड से लेकर मुख्य कार्यक्रम स्थल, मंच, गेस्ट हाउस, लंच हाल सहित अन्य गतिविधियों पर उच्च सुरक्षा की जबरदस्त प्रबंध किया गया है। वहीं मुख्य कार्यक्रम स्थल के पास नियंत्रण भी कक्ष बनाया गया है।

कार्यक्रम स्थल पर कम्युनिकेशन रूम की व्यवस्था की गई है। इसे हाट लाईन, टेलिफोन, इंटरनेट, कंप्यूटर आदि अन्य आधुनिक टेलिकम्युनिकेशन से लैस किया गया है। अनुमंडलीय अस्पताल में अत्याधुनिक चिकित्सीय सुविधा से लैस आईसीयू को भी स्थापित किया गया है। जिसमें कॉर्डियोलॉजिस्ट, आईसीयू टेक्निशियन, वेंटिलेटर, कॉर्डियक मानिटर, डिफीब्रीलेटर, जंबो आक्सीजन सिलेंडर, एवीजी एनालाइजर सहित विशेषज्ञ चिकित्सक तथा पारा मेडिकल स्टाफ दल तैनात किए गए हैं। वहीं वीवीआईपी और वीआईपी के वाहनों की पार्किंग व्यवस्था की गई है जो विवि परिसर स्थित रेस्ट हाउस के दक्षिणी हिस्से में पार्किंग स्थल में वाहन पड़ाव बनाया गया है और यहां उन्हीं को गाड़ी लगाने की अनुमति होगी। जिनके पास आमंत्रण पत्र होगा। इसी प्रकार से निर्बाध बिजली आपूर्ति सहित अन्य सुविधाओं की विशेष व्यवस्था की गई है। यह सम्मेलन कोविड 19 प्रोटोकाल सह सरकारी एडवाइजरी अनुपालन में आगत अतिथियों को प्रवेश दिया जाएगा। इसी विधि से कार्यक्रम में उनकी बैठने को लेकर सिटिंग अरेंजमेंट की व्यवस्था भी होगी।

उपराष्ट्रपति वैंकेया नायडू का फाइल फोटो।

कार्यक्रम

- **विवि में तीन दिवसीय धर्म धम्म सम्मेलन की सभी तैयारियां पूरी**
- **विवि धर्म धम्म सम्मेलन का लगातार तीसरी बार कर रहा मेजबानी**
- **विश्वविद्यालय परिसर बना सुरक्षा का अभेद्य किला**
- **अत्याधुनिक आइसीयू से लैस हुआ अनुमंडलीय अस्पताल**

धर्म धम्म सम्मेलन में विभिन्न देशों के 2 सौ प्रतिनिधि होंगे शामिल : कुलपति सुनैना सिंह : नालंदा विश्वविद्यालय उपराष्ट्रपति श्री वेंकैया नायडू का अपने नए परिसर में स्वागत करने के लिए तैयार है। उपराष्ट्रपति आज कोविड उपरांत विश्व व्यवस्था के निर्माण में धर्म-धम्म परंपराएं विषय पर आधारित छठे अंतरराष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विभिन्न देशों के दो सौ से अधिक प्रतिनिधि, गणमान्य व्यक्ति और काफी संख्या में विद्वान हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि, यह सम्मेलन शिक्षा जगत के श्रेष्ठ बुद्धिजीवियों, प्रमुख राजनेताओं और भारत तथा विदेशों के धार्मिक राजनेताओं को एक साझा मंच प्रदान करेगा। इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित यह तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 7 से 9 नवंबर 2021 तक चलेगा। धर्म-धम्म परंपराएं लोगों की जीवन शैली सुधारने और महामारी के विनाशकारी प्रभाव से उबरने में अहम भूमिका निभा सकती है। यह सम्मेलन मानव और प्रकृति के सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व को ध्यान में रखते हुए कोविड उपरांत की खुशहाल और स्वस्थ दुनिया बनाने में बड़ी भूमिका निभाएगा।

उपराष्ट्रपति का राज्यपाल व सीएम ने

बिहारशरीफ भास्कर

पटना, रविवार 07 नवंबर, 2021 | हरनौत • अस्थावां • शेखपुरा | राजगीर • हिलसा • नालंदा | dainikbhaskar.com

तीन दिवसीय कॉन्फ्रेंस के पहले दिन आज उद्घाटन कार्यक्रम में राज्यपाल फागू चौहान और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अलावा सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू एवं विदेश राज्यमंत्री मीनाक्षी लेखी, श्रीलंका के केंद्रीय ट्रांसपोर्ट मंत्री पवित्रा वन्नियाराच्ची, राम माधव समेत देश-विदेश के कई विद्वान शामिल होंगे

नालंदा विवि में अंतरराष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे उपराष्ट्रपति

आज से कॉन्फ्रेंस में विश्व के कई देशों के विद्वान अपना व्याख्यान देंगे

सिटी रिपोर्टर | राजगीर

उप राष्ट्रपति वेंकैया नायडू शनिवार की देर शाम दो दिवसीय दौरे पर बिहार आ चुके हैं। सबसे पहले वे वायुसेना के विमान से पटना एयरपोर्ट पहुंचे और फिर वहां से राजभवन गए जहां उन्होंने रात्रि विश्राम किया। उप राष्ट्रपति वेंकैया नायडू बिहार में दो दिन रहेंगे। उप राष्ट्रपति रविवार को नालंदा विश्व विद्यालय आएंगे। नालंदा विश्वविद्यालय में आयोजित छठे इंटरनेशनल धर्म-धम्म विषय पर आयोजित तीन दिवसीय कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन करेंगे। कार्यक्रम में राज्यपाल फागू चौहान और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अलावा सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू एवं विदेश राज्यमंत्री मीनाक्षी लेखी, श्रीलंका के केंद्रीय ट्रांसपोर्ट मंत्री पवित्रा वन्नियाराच्ची, राम माधव समेत देश-विदेश के कई विद्वान और गणमान्य नागरिक शामिल होंगे। यहां के कार्यक्रम के बाद उप राष्ट्रपति पटना एयरपोर्ट से नई दिल्ली प्रस्थान करेंगे।

यह सम्मेलन मानव और प्रकृति के सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व को ध्यान में रखते हुए कोविड बाद की खुशहाल और स्वस्थ दुनिया बनाने में बड़ी भूमिका निभाएगा, आध्यात्मिक मूल्यों पर आधारित नए विचारों को साझा किया जाएगा

राजगीर में तीन दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस के लिए सजाया गया नालंदा विश्वविद्यालय।

विभिन्न देशों के 100 से अधिक प्रतिनिधि कार्यक्रम में होंगे शामिल

नालंदा विवि की कुलपति प्रो. सुनैना सिंह ने प्रेस रिलीज जारी कर कहा कि कोविड उपरांत विश्व व्यवस्था के निर्माण में धर्म-धम्म परंपराएं विषय पर आधारित छठे अंतर्राष्ट्रीय धर्म-धम्म सम्मेलन का उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू उद्घाटन करेंगे। सम्मेलन में विभिन्न देशों के दो सौ से अधिक प्रतिनिधि, गणमान्य व्यक्ति व काफी संख्या में विद्वान हिस्सा लेंगे। यह सम्मेलन शिक्षा जगत के श्रेष्ठ बुद्धिजीवियों, प्रमुख राजनेताओं और भारत तथा विदेशों के धार्मिक राजनेताओं को एक साझा मंच प्रदान करेगा। सम्मेलन में कोविड के बाद की विश्व व्यवस्था के निर्माण की नई संभावनाओं पर विचार-विमर्श होगा।

7 से 9 अगस्त तक सम्मेलन

इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 7 से 9 नवंबर 2021 तक चलेगा। धर्म-धम्म परंपराएं लोगों की जीवन शैली सुधारने और महामारी के विनाशकारी प्रभाव से उबरने में अहम भूमिका निभा सकती है। यह सम्मेलन मानव और प्रकृति के सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व को ध्यान में रखते हुए कोविड बाद की खुशहाल और स्वस्थ दुनिया बनाने में बड़ी भूमिका निभाएगा और इसके लिए आध्यात्मिक मूल्यों पर आधारित नए विचारों को साझा करने की संभावना पैदा करेगा। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य इन विषयों के साथ-साथ स्वास्थ्य, मानव कल्याण, जलवायु परिवर्तन और सामाजिक सद्भाव से संबंधित अन्य विषयों पर भी विचार-विमर्श करना और धर्म-धम्म परम्पराओं में दिखाए गए मार्गों के महत्व को प्रदर्शित करना है।

व्यवस्था का डीएम ने लिया जायजा

व्यवस्था का जायजा डीएम योगेंद्र सिंह और एसपी हरिप्रसाथ एस द्वारा लिया गया है। यूनिवर्सिटी की कुलपति और जिला प्रशासन के आलाधिकारियों की बैठक भी समारोह और उसकी तैयारी को लेकर की गयी है। उपराष्ट्रपति के सुरक्षा व्यवस्था के लिए दिल्ली और पटना के अधिकारी राजगीर पहुंच चुके हैं। उनके द्वारा सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभाल ली गई है।

नालंदा यूनिवर्सिटी के छठे अंतरराष्ट्रीय धर्मा-धम्मा सम्मेलन समारोह की करेंगे शुरुआत

उप राष्ट्रपति कल आएंगे नालंदा, तैयारी पूरी

बिहारशरीफ/राजगीर | नि.प्र.

देश के उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू पहली बार नालंदा की धरती पर सात नवंबर को पहुंच रहे हैं। मौका है नालंदा यूर्निवसिटी का छठा अंतरराष्ट्रीय धर्मा-धम्मा सम्मेलन समारोह का।

कार्यक्रम में श्रीलंका सरकार के परिवहन मंत्री मिस पविथरा वैन्नीराईची, केन्द्रीय इंडिया फाउंडेशन की निदेशक ललिथा कुमारमंगलम, राज्यपाल फागू चौहान व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शामिल होंगे। उपराष्ट्रपति के आगमन को लेकर नालंदा के साथ ही नेपाल बोर्डर तक के पुलिस प्रशासन को अलर्ट मोड में कर दिया गया है।कार्यक्रम की सुरक्षा को लेकर ब्लू बुक तैयार की गयी है। इसमें निहित निर्देशों के पालन के लिए गाइडलाइन जारी की गयी है। जिला प्रशासन द्वारा जारी संयुक्त आदेश के अनुसार सुरक्षा की अद्भुत व्यवस्था की गयी है। आदेश में कहा गया है कि वर्तमान यात्रा के दौरान सुरक्षा के मद्देनजर सूचना तंत्र का महत्व बढ़ जाता है। अतः सुरक्षा संबंधी सूचनाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था की जानी है। जिले के निकटवर्ती शेखपुरा, जहानाबाद, अरवल, नवादा, पटना व अन्य जिलों की सीमाओं पर भी नजर रखी जा रही है। असामाजिक संगठनों पर भी नजर रखने की हिदायत दी गयी है। वीवीआईपी कार्यक्रम के लिए मंच तैयार हो गया है। मंच पर महज छह कुर्सियां होंगी। हर कुर्सी की दूरी छह फीट होगी। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू दोपहर 12.25 बजे राजगीर स्थित नालंदा यूर्निवसिटी के कैंपस में हेलीकॉप्टर से उतरेंगे।

तैयारी

- उपराष्ट्रपति का स्वागत करने को सज रही राजगृह नगरी
- दोपहर 12:25 बजे राजगीर की पहुंचेंगे उपराष्ट्रपति

सिलाव के नेपुरा में बने नालंदा अंगवस्त्र को दिखाते लोग।

मिनट टू मिनट कार्यक्रम

12.25 बजे : नालंदा यूनिवर्सिटी में हेलीकॉप्टर की लैंडिंग
12.30 : नालंदा यूनिवर्सिटी के गेस्ट हाउस में आगमन
12.35 : गेस्ट हाउस से प्रस्थान
12.37 : पौधरोपण
12.40 : गेस्ट हाउस में वापसी
13.00 : लंच एंड रेस्ट नालंदा यूनिवर्सिटी के गेस्ट हाउस में
15.00 : यूनिर्वसिटी के ऑडिटोरियम में कार्यक्रम में शामिल
15.02 : राष्ट्रगान
15.04 : वैदिक व बौद्धिक प्रार्थना
15.07 : श्रीलंका के परिवहन मंत्री का अभिभाषण
15.25 राज्यपाल फागु चौहान का संबोधन
15.35 : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का संबोधन
15.45 उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू का संबोधन
16.05 : धन्यवाद ज्ञापन
16.10 : राष्ट्रगान
16.12 : ऑडिटोरियम से हेलीपैड की ओर प्रस्थान
16.15 : राजगीर से प्रस्थान

प्रभात खबर
पटना, शनिवार 6.11.2021 | 03

नेपाल के उपराष्ट्रपति, बिहार के राज्यपाल व सीएम भी होंगे शामिल

राजगीर में धर्मा-धम्म सम्मेलन कल, उपराष्ट्रपति करेंगे उद्घाटन

कॉन्फ्रेंस में देश व दुनिया की नामचीन हस्तियां व स्कॉलर होंगे शामिल

संवाददाता, राजगीर

नालंदा यूनिवर्सिटी में रविवार को होने वाले तीन दिवसीय छठा इंटरनेशनल धर्मा धम्मा कॉन्फ्रेंस की तैयारी जोर शोर से की जा रही है. इस कॉन्फ्रेंस में देश और दुनिया के नामचीन हस्तियां और स्कॉलर शामिल होंगे. सम्मेलन में आने वाले अतिथियों की मेजवानी के लिए नालंदा विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुनैना सिंह के मार्गदर्शन में काम किया जा रहा है. पदाधिकारी और कर्मी लगातार दिन रात कार्य कर रहे हैं.

यूनिवर्सिटी की ओर से सम्मेलन की सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं. पहला दीक्षांत समारोह के बाद नालंदा यूनिवर्सिटी कैम्पस में होने वाला यह बड़ा प्रोग्राम है. इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन नालंदा यूनिवर्सिटी के सुषमा स्वराज ऑडिटोरियम में किया जाएगा. कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन रविवार को भारत के उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू करेंगे. इस उद्घाटन समारोह में नेपाल के उपराष्ट्रपति नंद बहादुर पुन भी शामिल होने के लिए राजगीर आ रहे हैं. उद्घाटन समारोह में बिहार के राज्यपाल फागू चौहान और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी मौजूद रहेंगे. इस समारोह में विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी की गरिमामय उपस्थिति होगी. इस अवसर पर नालंदा विश्वविद्यालय को प्रवेश द्वार से लेकर प्रशासनिक, शैक्षणिक एवं अन्य भवनों को दुल्हन की तरह सजाने संवारने की तैयारी की जा रही है. उपराष्ट्रपति के आगमन पर जिला प्रशासन हाई अलर्ट है. उनके द्वारा सुरक्षा का पुख्ता प्रबंध किया जा रहा है. उनके आगमन पर सुरक्षा की अभेद्य व्यवस्था की जा रही है. विश्व विद्यालय कैंपस में ही हेलीपैड बनाया गया है. शुक्रवार को सेना के हेलीकॉप्टर द्वारा ट्रायल भी किया गया है. कैम्पस हेलीपैड पर ही भारत के उपराष्ट्रपति, नेपाल के उपराष्ट्रपति, बिहार के राज्यपाल और मुख्यमंत्री के हेलीकॉप्टर उतारने की व्यवस्था जिला प्रशासन द्वारा की गई है. इस व्यवस्था का जायजा नालंदा के डीएम योगेंद्र सिंह और एसपी हरिप्रसाथ एस द्वारा लिया गया है. यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर और जिला प्रशासन के आलाधिकारियों की बैठक भी समारोह और उसकी तैयारी को लेकर की गयी है. उपराष्ट्रपति की सुरक्षा व्यवस्था के लिए दिल्ली और पटना के अधिकारी राजगीर पहुंच चुके हैं. उनके द्वारा सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभाल ली गई है.

हेलीपैड पर उतरता सेना का हेलीकॉप्टर.

कोरोना की हुई जांच

उपराष्ट्रपति के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कोरोना की आरटीपीसीआर जांच रिपोर्ट नेगेटिव होना अनिवार्य है. इसके लिए अनुमंडलीय अस्पताल राजगीर द्वारा नालंदा यूनिवर्सिटी में कोरोना जांच के लिए शुक्रवार को कैंप लगाया गया. उस कैम्प में कुलपति सहित अधिकारियों, कर्मियों और स्टूडेंट की आरटीपीसीआर टेस्ट के सैंपल संग्रह किये गये हैं. सैंपल को वर्धमान आयुर्विज्ञान संस्थान पावापुरी (विम्स) भेजा जाएगा. जिन पदाधिकारियों, कर्मियों और स्टूडेंट्स की कोरोना जांच रिपोर्ट नेगेटिव आएंगे. वही उपराष्ट्रपति के कार्यक्रम में शामिल हो सकेंगे.

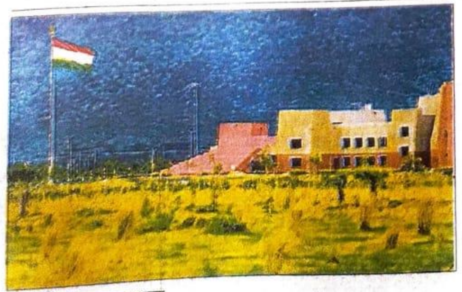

नालंदा विश्वविद्यालय का भवन.

उपराष्ट्रपति के कारकेट का फुल रिहर्सल आज

भारत और नेपाल के उपराष्ट्रपति के आगमन पर राजगीर और नालंदा यूनिवर्सिटी कैंपस में सुरक्षा की विशेष व्यवस्था की गई है. जिला प्रशासन द्वारा राष्ट्रपति के कारकेट एवं सुरक्षा का फूल रिहर्सल शनिवार को किया जाएगा. इस फूल रिहर्सल में उपराष्ट्रपति के कारकेट में शामिल होने वाले सभी प्रकार के वाहनों को शामिल किया जाएगा. इसके अलावा जगह-जगह प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी और पुलिस बल की ड्यूटी पर तैनात कर फुल रिहर्सल किया जाएगा. धर्मा धम्मा कांफ्रेंस के उद्घाटन समारोह में केवल निमंत्रण कार्ड वाले व्यक्ति ही शामिल हो सकते हैं. इसके अलावा एंट्री पास जिनके पास हो होगा. वह समारोह स्थल पर पहुंच पाएंगे. बिना निमंत्रण कार्ड और एंट्री पास के किसी भी व्यक्ति को समारोह में शामिल होने की अनुमति नहीं होगी. हेलीपैड स्थल से लेकर समारोह स्थल तक सड़क के दोनों ओर सुरक्षा कारणों से बैरिकेडिंग की गई है हेलीपैड स्थल पर दमकल तैनात किए गए हैं. विश्वविद्यालय परिसर की विशेष साफ-सफाई कराई जा रही है.

दैनिक भास्कर
पटना, गुरुवार 4 नवंबर, 2021 | 20

उपराष्ट्रपति के आगमन को लेकर डीएम ने किया नालंदा अंतरराष्ट्रीय विवि का निरीक्षण

सिटी रिपोर्टर | राजगीर

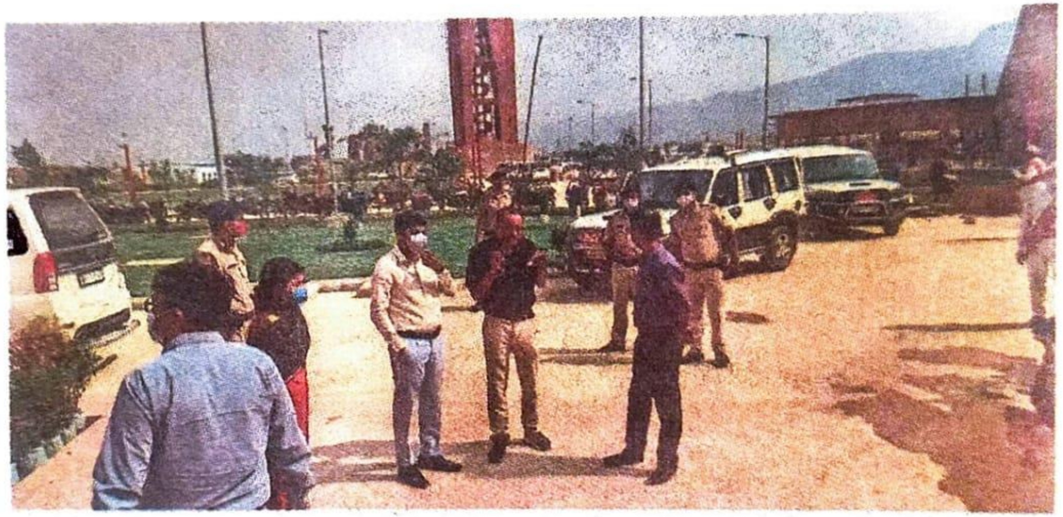

राजगीर में निरीक्षण करते डीएम।

डीएम योगेन्द्र सिंह और पुलिस अधीक्षक हरी प्रसाथ एस ने नालंदा अंतर्राष्ट्रीय महाविद्यालय में उप राष्ट्रपति के 7 नवम्बर को दौरे को लेकर विधि व्यवस्था संधारण तथा कार्यक्रम की रूपरेखा तय करने के लिए विश्विद्यालय परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने हेलीपैड, ऑडिटोरियम, टीचिंग ब्लॉक का निरीक्षण किया। तकनीकी विभाग के अभियंताओं ने विवि में चल रही योजनाओं तथा चल रहे कार्यों की जानकारी दी। डीएम तथा एसपी ने पुलिस बल तथा दंडाधिकारी प्रतिनियुक्ति का निर्देश दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति सुनैना सिंह के साथ उप राष्ट्रपति के कार्यक्रम की समीक्षा की। उप-राष्ट्रपति के दौरे के अवसर पर बिहार के राज्यपाल, मणिपुर के मुख्यमंत्री तथा श्रीलंका के मंत्री का भी आगमन हो रहा है। बताते चलें कि नालंदा विश्वविद्यालय द्वारा तीन दिवसीय इंटरनेशनल धर्मा धम्मा कांफ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उप राष्ट्रपति वेंकैया नायडू शामिल होंगे।

हिन्दुस्तान | 04
पटना • गुरुवार • 04 नवंबर 2021

धर्म-धम्म अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने आएंगे उप राष्ट्रपति

राजगीर | **निज संवाददाता**

नालंदा विश्वविद्यालय के धर्म-धम्म अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए सात नवम्बर को उप राष्ट्रपति के आगमन को लेकर चल रही तैयारी व सुरक्षा का बुधवार को डीएम योगेन्द्र सिंह व एसपी हरि प्रसाथ एस ने जायजा लिया।

डीएम ने हेलिपैड, ऑडिटोरियम, टीचिंग ब्लॉक का निरीक्षण किया। उन्होंने तकनीकी विभाग के लोगों से जानकारी ली। कहा कि सभी काम समय से पूरा करें। उन्होंने सुरक्षा के लिए वहां पर पर्याप्त मात्रा में दंडाधिकारी व जवान तैनात करने का निर्देश दिया। डीएम ने नालंदा विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सुनैना सिंह के साथ भी महामहिम के आगमन को लेकर चर्चा की। महामहिम के अलावा बिहार के राज्यपाल, मणिपुर के राज्यपाल, मुख्यमंत्री, श्रीलंका के मंत्री का भी आगमन होना है। उप राष्ट्रपति के आगमन को लेकर नालंदा विश्वविद्यालय पूरी तरह से सतर्क है। इससे पहले 29 अक्टूबर को ही नये कैम्पस में बने टीचिंग ब्लॉक का विदेश राज्य मंत्री डॉ. राजकुमार रंजन सिंह ने उद्घाटन किया था।

निर्देश

- आगमन को लेकर चल रही तैयारी, डीएम ने लिया जायजा
- **आगमन को लेकर चल रही तैयारी, डीएम ने लिया जायजा**

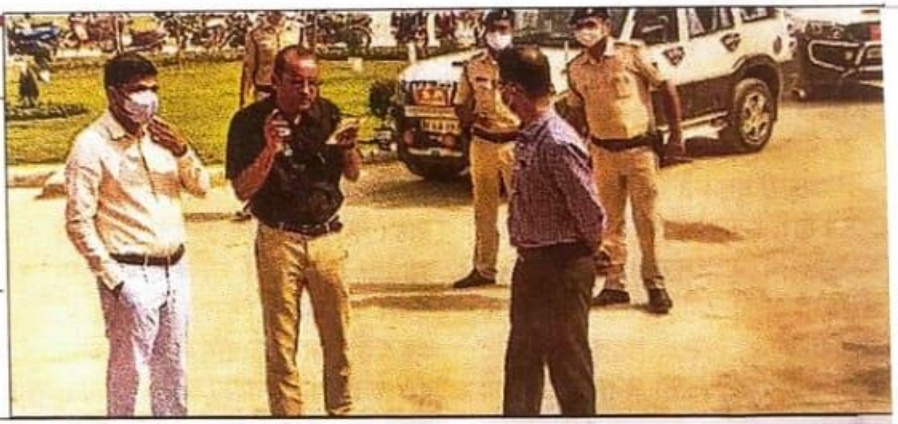

उप राष्ट्रपति के आगमन की तैयारी का जायजा लेते डीएम योगेन्द्र सिंह व एसपी हरि प्रसाथ एस।

नालंदा विश्वविद्यालय में इस समय 30 से अधिक देशों के छात्र पढ़ रहे हैं। विश्वविद्यालय का परिसर नेट जीरो की तर्ज पर तैयार किया गया है।

वास्तु शैली का बेहतर समन्वय किया गया है। यह हरित परिसर बनाया गया है। यहां पर जल संसाधन, वर्षा जल-संचय और नेट जीरो जैसे प्रयोग किये गये हैं जो काफी अच्छी है। नालंदा प्राचीन काल से ही ज्ञान की धरती रही है। नालंदा विश्वविद्यालय को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दोबारा से पुनर्जीवित करने का काम किया। उन्होंने पहाड़ की तलहट्टी में विवि के लिए जमीन उपलबध करायी। आने वाले सालों में यह एक विश्व का बेहतरीन ज्ञान का केन्द्र बनेगा और अपने पुराने नालंदा विश्वविद्यालय के गौरव को पायेगा।

नालंदा विवि में सात को आएंगे उप राष्ट्रपति

नालंदा विश्वविद्यालय का मुख्य प्रवेश द्वार • जागरण

संवाद सहयोगी, राजगीर : आगामी सात नवंबर को नालंदा विश्वविद्यालय की मेजबानी में अंतरराष्ट्रीय धर्म धम्म कांफ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है। इसमें उप राष्ट्रपति वैंकेया नायडू शिरकत करेंगे। उनके आगमन की तैयारियों को लेकर युद्ध स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई है। भवन निर्माण विभाग को विवि परिसर में हेलीपैड बनाने का जिम्मा मिला है। यह सम्मेलन कोविड 19 प्रोटोकाल सह सरकारी एडवाइजरी अनुपालन में आगत अतिथियों को प्रवेश दिया जाएगा। इसी विधि से कार्यक्रम में उनकी बैठने को लेकर सीटिंग अरेंजमेंट की व्यवस्था भी होगी।

बीते वर्ष 2018 के 11 जनवरी को नालंदा विश्वविद्यालय की मेजबानी में स्टेट आफ सोशल आर्डर इन धर्म धम्म ट्रेडिशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय चौथे इंटरनेशनल धर्म धम्म कांफ्रेंस में महामहिम राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शिरकत किया था। वहीं अरुणाचल प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री पेमा खांडू भी शामिल हुए थे। इस सम्मेलन के उद्देश्य को परिलक्षित करते हुए वास्तविकता, ज्ञान और विभिन्न दृष्टिकोणों से मूल्यों, प्रकृति, मानव एवं ब्रह्मांडीय अस्तित्व के महत्व को समझने के लिए विभिन्न पहलुओं से चिन्तनपरक दृष्टि को विकसित करने पर जोर दिया गया था। इसमें एशिया के 12 देशों से विभिन्न विषयों के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर धर्म धम्म के साथ सभी धर्मों को जोड़ने पर विचार प्रकट किए थे। इस सम्मेलन में कंबोडिया, वियतनाम, मंगोलिया, चीन, जापान आदि देशों के अलावा अन्य प्रदेश के प्रतिनिधि भी शामिल हुए थे।बीते वर्ष 2019 के 27 जुलाई को नालंदा विश्वविद्यालय तथा सेंटर फार स्टडी आफ रिलिजन एंड सोसायटी ऑफ इंडिया फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय 5वें धर्म धम्म सम्मेलन का आयोजन किया गया था।